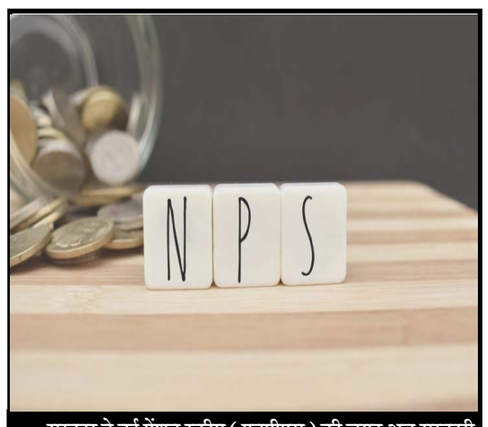

सरकार ने नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) की जगह अब सरकारी कर्मियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) यानी एकीकृत पेंशन योजना लॉन्च करने का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर सहमति बनी है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:254 दिनांक:25-08-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारत ने अपने पहले पुन: प्रयोग (रीयूजेबल) होने वाले हाइब्रिड रॉकेट मिशन रूमी-2024 को सफलतापूर्वक लांच किया। इसे तमिलनाडु स्थित स्टार्टअप स्पेस जोन इंडिया ने मार्टिन ग्रुप के साथ मिलकर शनिवार को चेन्नई के थिरुविदंदई से लांच किया।

वेतन का 50% हिस्सा पेंशन में, 2004 में रिटायर हुए हों, तब भी फायदा; एरियर्स भी मिलेंगे

नई दिल्ली : केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में शनिवार को कई अहम एलान हुए। इनमें सबसे बड़ा फैसला एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को लेकर रहा। सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई गई इस योजना में कई बड़े एलान हैं। यूपीएस की सबसे बड़ी खास बात यह है कि इसमें पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की तरह ही सरकारी कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद औसत मूल वेतन की 50 फीसदी राशि मिलेगी। हालांकि, इसके लिए कई मानक और नियम भी तय किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने एकीकृत पेंशन योजना यानी यूपीएस को मंजूरी दी है। सरकारी कर्मचारी देशभर में सामान्य नागरिकों की सेवा करते हैं। रेलवे, पुलिस, डाक सेवा, चिकित्सा जैसी सेवाओं में देशभर में सरकारी कर्मचारी सामान्य नागरिकों को अपनी सेवाएं देते हैं। इससे समाज की एक व्यवस्था चलती है। सरकारी कर्मचारियों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान है। सरकारी कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दे समय-समय पर उठते आए हैं और उस पर अच्छे निर्णय भी लिए गए हैं।

सेवानिवृत्त यानी सुपर एन्यूएशन के बाद मिलने वाली पेंशन सामाजिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण भाग है। देशभर में सरकारी कर्मचारियों की तरफ से मांग आती रही कि नई पेंशन स्कीम यानी एनपीएस में सुधार किए जाएं। अप्रैल 2023 में डॉ. सोमनाथन की अध्यक्षता में इस पर समिति बनी और सौ से ज्यादा कर्मचारी संगठनों-यूनियन के साथ विस्तार से सलाह-मशविरा किया गया। रिजर्व बैंक से बात की गई। राज्यों के वित्त सचिव, राजनीतिक नेतृत्व, कर्मचारी संघों ने अपने सुझाव दिए। इसके बाद समिति ने एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश की गई। कैबिनेट ने इस स्कीम को अनुमोदित कर दिया है।

यूपीएस के पांच स्तंभ, योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी

2. पारिवारिक पेंशन

किसी भी कर्मचारी के निधन से पहले पेंशन की कुल रकम का 60 फीसदी हिस्सा परिवार को मिलेगा।

3. न्यूनतम पेंशन

कम से कम 10 साल की सेवा के बाद 10 हजार रुपये प्रतिमाह की न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित होगी। महंगाई भत्तों को जोड़कर आज के हिसाब से यह रकम 15 हजार रुपये के आसपास होगी।

4. महंगाई दर के साथ इंडेक्सेशन

उपरोक्त तीनों तरह की पेंशन यानी सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और न्यूनतम पेंशन के मामलों में महंगाई राहत यानी ॐ के आधार पर इनफ्लेशन इंडेक्सेशन मिलेगा।

5. सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान

छह महीने की सेवा के लिए (वेतन+डीए) की 10 फीसदी रकम का एकमुश्त भुगतान होगा। यानी अगर किसी की 30 साल की सर्विस है तो उसे छह महीने की सेवा के आधार पर एकमुश्त भुगतान (इमॉल्यूमेंट) होगा।

23 लाख कर्मचारियों को फायदा, एनपीएस और यूपीएस का विकल्प

केंद्र सरकार के 23 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा। कोई एनपीएस में रहना चाहे तो उसमें रह सकता है। अगर यूपीएस अपनाना चाहे तो इसका विकल्प चुन सकता है। राज्य सरकारें भी इस संरचना को चुन सकती है। अगर राज्य सरकार के कर्मचारी इसमें शामिल होते हैं तो 90 लाख कर्मियों को इसका फायदा मिलेगा।

कर्मचारियों पर इसका भार नहीं पड़ेगा। 10 वर्ष पहले तक कर्मचारी और सरकार 10-10 फीसदी का योगदान देते हैं। हमारी सरकार ने योगदान बढ़ाकर 14 फीसदी कर दिया था। यह अपने आप में बड़ा कदम था। अब केंद्र सरकार का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यह स्कीम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी।

किन्हें मिलेगा फायदा?

वित्त सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन ने कहा कि जो कर्मचारी 2004 से अब तक और आगे 31 मार्च 2025 तक सेवानिवृत्त होंगे, वे भी यूपीएस के पांच बिंदुओं का फायदा ले सकेंगे। उन्हें एरियर्स भी मिलेंगे। जो राशि उन्हें मिल चुकी है, उसमें से नई गणना के मुताबिक रकम एडजस्ट होगी। एरियर्स के लिए 800 करोड़ रुपये रखे गए हैं। यह योजना पूरी तरह वित्त पोषित है। केंद्र का पेंशन में जो योगदान बढ़ेगा, उसके अतिरिक्त भार को वहन के लिए वार्षिक आधार पर 6250 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

एरियर्स की गणना कैसे होगी?

वित्त सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन ने कहा कि 2004 से अब तक 20 साल का वक्त गुजरा है। इस दौरान एनपीएस के तहत सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। इनका पूरा रिकॉर्ड हमारे पास है। वे कब सेवा में आए, कब वे सेवानिवृत्त हुए, तब उन्हें रकम कितनी मिली है, यह सारी जानकारी हमारे पास है। अगर वे यूपीएस चुनते हैं तो उन्हें गणना के मुताबिक ब्याज जोड़कर जितना एरियर्स बनेगा, उतना दिया जाएगा।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर महंगाई राहत, सेवा कर्मचारियों के मामले में सेवानिवृत्ति के समय एकमुश्त भुगतान, ग्रेच्युटी के अतिरिक्त, सेवानिवृत्ति की तिथि पर मासिक परिलब्धियों (वेतन + डीए) का 1/10वां हिस्सा, सेवा के प्रत्येक पूर्ण छह महीने के लिए, इस भुगतान से सुनिश्चित पेंशन की मात्रा कम नहीं होगी।

क्या धारा 370 को बहाल करने की एनसी की मांग का समर्थन करेगी कांग्रेस

सीएम योगी ने राहुल गांधी से पूछा सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। योगी ने कहा कि यह गठबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा के गंभीर सवाल खड़े करता है। योगी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या उनकी पार्टी जम्मू-कश्मीर के लिए फिर से अलग झंडे की घोषणा का समर्थन करेगी? उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस धारा 370 और अनुच्छेद 35ए की बहाली के जरिए जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के दौर में ले जाने के एनसी के प्रस्ताव का समर्थन करेगी?

योगी ने आरोप लगाया कि गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा उजागर हुआ है। सीएम योगी ने पूछा कि क्या कांग्रेस दलितों, गुर्जरों, बकरवाल और पहाड़ी समुदायों के आरक्षण को समाप्त करने के एनसी के फैसले का समर्थन करेगी? योगी ने कहा कि कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह पाकिस्तान के साथ एलओसी ट्रेड फिर से शुरू करने के पक्ष में है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने गठबंधन किया है। सीएम योगी से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा था। शाह ने कहा था कि सत्ता के लालच में बार-बार देश की एकता और सुरक्षा के साथ खेलने वाली कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है।

नागार्जुन के कन्वेंशन सेंटर पर बुलडोजर चला

हैदराबाद(ईएमएस)। तेलुगु स्टार नागार्जुन के हैदराबाद स्थित अवैध एन कन्वेंशन सेंटर को शनिवार, 24 अगस्त को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। उन्होंने यह सेंटर रंगारेड्डी जिले के शिल्परामम के पास माधापुर में हाईटेक सिटी के पास बनाया था। एक्टर पर आरोप था कि उन्होंने इस सेंटर का अवैध निर्माण झील की जमीन पर कराया था। हैदराबाद आपदा राहत एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी की टीम ने आज सुबह इसे गिरा दिया। नागार्जुन ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की। अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर लिखा कि कोर्ट केसेस और स्टे ऑर्डर लेने के बाद भी गैरकानूनी तरीके से कन्वेंशन सेंटर को तोड़ा गया। हमने अवैध निर्माण नहीं किया। ये जगह पट्टा भूमि है। झील की एक इंच जमीन का इस्तेमाल नहीं किया। इस सेंटर से जुड़ी जितनी भी शिकायतें हुई थीं, उन पर स्टे ऑर्डर लिया गया था। आज गलत सूचना के आधार पर इसे तोड़ा गया है। सेंटर को तोड़ने से पहले हमें कोई भी नोटिस नहीं दिया गया था।

संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा कार्यक्रम में राहुल गांधी बोले

देश में हुनर की कोई इज्जत नहीं

प्रयागराज(ईएमएस)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि धोबी, मोची और बढ़ई का देशभर में नेटवर्क है। इनके हाथों में जबरदस्त स्किल और ताकत है। इनसे हाथ मिलने से ही हवा निकल जाती है। राहुल शनिवार को प्रयागराज पहुंचे और संविधान का सम्मान और उसकी रक्षा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने, सुल्तानपुर के मोची रामचैत की कहानी सुनाई। बताया कि उनके हाथों में जबरदस्त हुनर है। वे 40 सालों से मोची का काम कर रहे हैं। लेकिन, उनका कोई सम्मान नहीं करता है।

राहुल ने कहा, मोदी जी को मैंने सुना आधा घंटा बोले। उनसे मैंने सवाल पूछा। आप आईटीआई में बढ़ई तैयार कर रहे हो। देश में लाखों बढ़ई हैं, उनसे आप क्यों नहीं तैयार करवा रहे हो। आपको नाई तैयार करना है तो यूपी के नाई से बोल दीजिए वो अपने दुकान में नाई की ट्रेनिंग दे देगा। देश मे दस लाख नाई तैयार करने हैं तो देश के नाई को पकड़ो, उससे कहो लो भइया नाई तैयार करो। 6 महीने में लाखों नाई तैयार हो जाएंगे।

मोदीजी मुझ पर देश बांटने का आरोप लगाते हैं

राहुल ने कहा, मैंने मिस इंडिया की लिस्ट निकाली। मैंने कहा भइया इसमें एक दलित महिला तो होगी, आदिवासी होगी, लेकिन कोई नहीं थी। आपने कभी मीडिया में मोची का इंटरव्यू देखा है। ये बस मेरे चैनल पर आ रहा है। मीडिया में कहते हैं मोदी जी, देश सुपर पावर बन गया। कैसे बन गया? 90 प्रतिशत लोग शामिल ही नहीं हैं। वहीं, 10 लोग बोलते रहते हैं। देश देखता रहता है। मैं कह रहा हूं जाति जनगणना करना है, मीडिया वाले कहते हैं नहीं करना है। मुझे बस डेटा चाहिए। मीडिया और मोदी जी कह रहे हैं कि मैं देश को बांट रहा हूं। जाति जनगणना संविधान को मजबूत करने का काम है। इसको दस प्रतिशत ने नहीं बनाया है। इसको सौ प्रतिशत ने बनाया है। इसकी रक्षा आप लोग करते हो। अडानी जी नहीं करते है। इकॉनोमी सोशल सर्वे कराना चाहता हूं, वो इसकी रक्षा है।

मोची के लिए कोई बैंक नहीं, जो उनका कर्जा माफ करे

राहुल ने कहा, वे (भाजपा) कहते हैं कि देश सुपर पावर बन जाएगा। कैसे सुपर पावर बन जाएगा? 90 प्रतिशत लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं। हमने जाति जनगणना की बात उठाई है। बीजेपी वाले कह रहे हैं कि हम जाति जनगणना करेंगे। उसमें ओबीसी का सेक्शन दे देंगे। लेकिन, जाति जनगणना में सिर्फ ओबीसी लिखने का मतलब नहीं है। अलग-अलग जाति है। हमारे लिए ये पॉलिसी मेकिंग की नींव हैं। जाति जनगणना से आबादी पता लगेगी, जो जरूरी है। भागीदारी से पहले आबादी का पता होना जरूरी है। यह लास्ट कदम नहीं है। यह मेरा विजन नहीं है। मेरा विजन है- देश में धन किस प्रकार से बांटा जा रहा है। ओबीसी के हाथ में कितना। दलितों के हाथ में कितना है। देश के संस्थानों में इनकी कितनी भागीदारी है। हम ये पूछ रहे हैं, सत्तर साल हो गए। संविधान हमारे सामने है। इसका हमारे समाज पर कितना असर पड़ा है। अगर उद्यागपतियों की लिस्ट निकालूं तो एक भी बड़े उद्योगपति नहीं हैं। उद्योग में ही नहीं, मीडिया जगत में भी दलित नहीं है। एक भी दलित एंकर का नाम बता दीजिए। 70 प्रतिशत आबादी ओबीसी और दलित है। मीडिया में जीरो। कार्पोरेट में जीरो। पूरा बैंकिंग सिस्टम मोदीने 16लाख करोड़ रुपए 25 लोगों का कर्जा माफ किया। इसमें कोई दलित नहीं है। मोची के लिए कोई बैंक नहीं है, जो कर्जा माफ करे।

प्राइवेट कंपनी का हेलिकॉप्टर क्रैश

पुणे(ईएमएस)। पुणे के पौड इलाके में शनिवार को एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। यह हेलिकॉप्टर मुंबई से हैदराबाद जा रहा था। इसमें पायलट और तीन यात्री सवार थे। हादसे में पायलट जख्मी हुए हैं, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी तीनों लोगों को ज्यादा चोट नहीं आई हैं। पुणे रूरल पुलिस के सुपरिंटेंडेंट पंकज देशमुख ने बताया कि यह हेलिकॉप्टर मुंबई की ग्लोबल वेक्ट्रा हेलिकॉर्प कंपनी का था। आशंका है कि हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी की वजह से क्रैश हुआ। हादसे के पीछे भारी बारिश को भी वजह माना जा रहा है।

जाति का जिक्र नहीं तो एससी/एसटी एक्ट का अपराध नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को जमानत दी; दलित विधायक को माफिया डॉन कहने का मामला

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर किसी अनुसूचित जाति-जनजाति के व्यक्ति को उसकी जाति का नाम लिए बगैर अपमानित किया गया है, तो यह मामला एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत अपराध नहीं होगा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने एक ऑनलाइन मलयालम न्यूज चैनल के एडिटर शाजन स्कारिया को अग्रिम जमानत देते हुए यह फैसला सुनाया। स्कारिया पर एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। उन पर आरोप था कि उन्होंने एससी समुदाय से आने वाले सीपीएम विधायक पीवी श्रीनिजन को माफिया डॉन कहा था। इस मामले में ट्रायल कोर्ट और केरल हाईकोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इनकार कर दिया था।

वीडियो में अपमान जैसा कुछ नहीं मिला

आरोपी स्कारिया की तरफ से एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा और गौरव अग्रवाल ने दलीलें रखीं। जिसे मानते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा- एससी/एसटी समुदाय के किसी सदस्य का जानबूझकर किया गया हर अपमान और उसे दी गई धमकी जाति आधारित अपमान नहीं माना जाएगा। हमें ऐसा कुछ नहीं मिला जो साबित करे कि स्कारिया ने यूटयूब वीडियो में एससी/एसटी समुदाय के खिलाफ दुश्मनी या नफरत को बढ़ावा देने की कोशिश की है। वीडियो का स्ष्ट या स्ज्ञ के सदस्यों से कोई लेना-देना नहीं है। उनका निशाना केवल शिकायतकर्ता (श्रीनिजन) ही था।

तो फिर किसे जातिगत अपमान माना जाएगा...

70 पेज का फैसला लिखते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि केवल उन मामलों में जानबूझकर अपमान या धमकी दी जाती है, जो छुआछूत की प्रथा या ऊंची जातियों के निचली जातियों/अछूतों पर अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए होते हैं। इन्हें 1989 एक्ट में अपमान या धमकी कहा जा सकता है। बेंच ने कहा कि अपमानित करने का इरादा वही है, जिसे कई विद्वानों ने हाशिए पर पड़ी जातियों के लिए बताया है। यह कोई साधारण अपमान या धमकी नहीं है जिसे अपमान माना जाए और जिसे 1989 के अधिनियम के तहत दंडनीय बनाने की मांग की गई है।

श्रीनिजन चाहे तो मानहानि का मुकदमा कर सकते हैं

माफिया डॉन के संदर्भ का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा- निंदनीय आचरण और अपमानजनक बयानों को देखते हुए, अपीलकर्ता (स्कारिया) के बारे में केवल यह कहा जा सकता है कि उसने आईपीएस की धारा 500 के तहत मानहानि का अपराध किया है। यदि ऐसा है, तो शिकायतकर्ता (श्रीनिजन) के लिए अपीलकर्ता (स्कारिया) के खिलाफ मुकदमा चलाने के रास्ते हमेशा खुले रहेंगे। हालांकि, शिकायतकर्ता (श्रीनिजन) केवल इस आधार पर 1989 एक्ट के तहत केस दर्ज करने की अपील नहीं कर सकता, क्योंकि वह अनुसूचित जाति से है और वीडियो की कॉपी में भी यह साबित नहीं हुआ कि स्कारिया का श्रीनिजन का अपमान करना उसकी जाति से प्रेरित था।

पीडीपी का घोषणा पत्र जारी किया, महबूबा बोलीं

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के स्पेशल स्टेटस आर्टिकल 370 और 35ए की वापसी के प्रयास और पाकिस्तान से ट्रेड दोबारा शुरू करने का वादा किया है। महबूबा ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो आम्र्स फोर्सेस को मिली स्पेशल पावर, आतंक निरोधी कानून, पब्लिक सेफ्टी एक्ट और ऐनेमी एक्ट हटाएंगे। उन्होंने घाटी में कश्मीरी पंडितों के लिए 2 बीएचके मकान देने का वादा किया। महबूबा ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेस से समर्थन के सवाल पर कहा- दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन सीट बंटवारे पर हो रहा है, ना कि एजेंडे पर। अगर दोनों दल हमारी पार्टी का एजेंडा मानेंगे तो हम गठबंधन को तैयार हैं।

नेपाल बस हादसे में मरने वालों की संख्या 41 पहुंची, घायलों का इलाज जारी

काठमांडू,(ईएमएस)। यूपी के नेपाल जा रही एक बस पोखरा से काठमांडू के बीच तनहु जिले में नदी में गिर गई थी। इस हादसे में मरने वालों की 41 पहुंच गई है। मृतकों में बस ड्राइवर भी शामिल है। सभी पर्यटक महाराष्ट्र के बताए जा रहे हैं। गोरखपुर से बस में पर्यटक इलाहबाद से सवार हुए थे। बस चित्रकूट होते हुए नेपाल जा रही थी।

डीएसपी दीपकुमार राय ने कहा कि यूपी की एक बस नदी में गिर गई है जिसमें कई लोगों के मरने की आशंका है। उन्होंने बताया कि ये हादसा तब हुआ जब बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी। नेपाल के तनाहुन जिले में 50 लोगों से भरी बस मार्स्यांगडी नदी में गिर गई। भारतीय दूतावास के मुताबिक इस सड़क हादसे में अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है।

भारतीय दूतावास ने यात्रियों की मौत पर शोक जताया है और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है। दूतावास ने कहा कि इस दुर्घटना में घायल 16 यात्रियों को अस्पताल हवाई मार्ग से काठमांडू लाया गया है। भारतीय दूतावास नेपाल घायलों के इलाज और मृतकों के शवों को भारत भेजने के लिए स्थानीय अधिकारियों और अस्पताल के कर्मचारियों के साथ संपर्क में है। भारतीय दूतावास ने आपातकालीन राहत नंबर जारी किया है जो 24 घंटे चालू हैं। +977-9851107021, +977-9851 316807,+977-9749833292 इन नंबरों पर परिजन अपने लोगों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

असम गैंगरेप, मुख्य आरोपी की डूबने से मौत

कस्टडी से भागकर तालाब में कूदा; सुबह साढ़े 3 बजे क्राइम सीन पर लेकर जा रही थी पुलिस

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के नगांव जिले में 14 साल की नाबालिग से गैंगरेप के मुख्य आरोपी तफजुल इस्लाम की शनिवार को डूबने से मौत हो गई। वह पुलिस हिरासत से भागने के दौरान तालाब में कूद गया था। नगांव के सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस स्वप्ननील डेका ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। आज सुबह 3:30 बजे उसे घटनास्थल पर क्राइम सीन रिक्रिएट करने के लिए लेकर जा रहे थे।

एसपी के मुताबिक, उसने भागने की कोशिश की और तालाब में कूद गया। पुलिस ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मौके पर एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची। लगभग दो घंटे तलाश के बाद आरोपी का शव तालाब से बरामद किया गया।

तीन लोगों ने टयूशन से लौट रही लडक़ी से रेप किया था

नगांव के ढींग में गुरुवार की शाम 14 साल की लडक़ी से तीन लोगों ने रेप किया था। पीडित अपनी साइकिल से टयूशन से घर लौट रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों ने उसे घेर लिया और उसके साथ गलत काम किया। रेप के बाद आरोपी पीडित को एक तालाब के पास सडक़ किनारे घायल और बेहोश हालत में छोडक़र भाग गए। स्थानीय लोगों ने उसे देखा और अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को भी सूचना दी गई।

अब अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा भी ले सकेंगे बच्चा गोद, सरकार ने बदले नियम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो विधवा हैं, अविवाहित हैं और तलाकशुदा है वह भी बच्चा गोद लेना चाहते हैं लेकिन सरकार के कड़े नियमों के चलते ऐसा कर नहीं हो पाता है। अब घर में खुशियां लाने का रास्ता साफ हो गया है क्योंकि सरकार के नियमों में बदलाव कर दिए हैं जिससे सिंगल पैरेंट के लिए भी बच्चा गोल लेना आसान हो गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने नए नियम बनाया है, इसमें अब अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा या कानूनी रूप से अलग रह रहे 35 से 60 साल की उम्र के अकेले लोगों को भी बच्चे को गोद लेने की इजाजत दे दी है। इससे पहले 2016 में मॉडल फॉस्टर केयर गाइडलाइंस के तहत केवल विवाहित जोड़ों को ही बच्चा गोद लेने की इजाजत थी। हालांकि, अकेली महिला किसी भी जेंडर के बच्चे को गोद ले सकती है, लेकिन एक पुरुष केवल पुरुष बच्चे को ही गोद ले सकता है।

नए नियमों के मुताबिक व्यक्ति को शादीशुदा हो या नहीं, विधवा हो, तलाकशुदा या कानूनी रूप से अलग रह रहा हो, वह व्यक्ति बच्चा गोद ले सकता है। इसके अलावा, फॉस्टर पेरेंट अब दो साल के बजाय पांच साल तक बच्चे की देखभाल करने के बाद उसे गोद ले सकते हैं। फॉस्टरिंग ऐसी व्यवस्था है जिसमें एक बच्चा टेम्पररी विस्तारित परिवार या असंबंधित व्यक्तियों के साथ रहता है।

नए नियम में अगर कोई विवाहित जोड़ा बच्चे को गोद लेना चाहता है, तो वैवाहिक जोड़े को कम से कम दो साल तक एक स्टेबल मैरिड लाइफ बितानी होगी। पहले, दंपतियों के लिए ऐसा कोई नियम नहीं था। 2016 के गाइडलाइन्स को 2021 में किशोर न्याय और 2022 के किशोर न्याय मॉडल नियमों के अनुसार चेंज किया गया है। नए नियमों को जून में सभी राज्यों में जारी कर दिया गया था।

बैसाखियों के सहारे मोदी सरकार 3.0....क्या बदल गए सारे पुराने रिवाज

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम मोदी के यूक्रेन यात्रा की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखकर बात करते हुए तस्वीर हो या शांति की पाठ पढ़ाने वाली नसीहत, पीएम मोदी के कीव दौरे को दुनिया आशा भरी नजर से देख रही है। वहीं पोलैंड और यूक्रेन के दो अहम दौरे से लौटे पीएम मोदी एयरपोर्ट पर बेहद सादगी के साथ अपने विमान से उतरकर गाड़ी में बैठ पीएम आवास की ओर जाते दिखाई दिए। गौरतलब है कि पहले जब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश यात्रा से लौटते थे, तब भाजपा अध्यक्ष, कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता उनका स्वागत करने पहुंचते थे।

लेकिन अब प्रधानमंत्री यूक्रेन और पोलैंड के महत्वपूर्ण दौरे से लौटे तब ना भाजपा अध्यक्ष, ना कोई केंद्रीय मंत्री और ना ही भाजपा का कोई वरिष्ठ या कनिष्ठ नेता उनके स्वागत के लिए पहुंचा। इसके बाद चर्चा तेज हो चली है कि बीजेपी में रिवाज बदल गया है या अब पहले जैसा राज नहीं रहा है? लोकसभा चुनाव 2024 में 400 का दंभ भरने वाली पार्टी बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर सकी।

मोदी सरकार भले ही बन गई हो लेकिन बैसाखियों के सहारे मोदी 3.0 का कार्यकाल का आगाज हुआ है। रही कसर पिछले दो हफ्तों में तीन अहम फैसलों के बाद बैकफुट पर जाने वाले कदम ने दे दी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी की 400 पार वाली फिल्म फ्लॉप हो गई।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत की जीडीपी को लेकर जारी किया अनुमान

धीमी हो सकती है अर्थव्यवस्था की रफ्तार

नई दिल्ली(ईएमएस)। विश्व की पांची अर्थव्यवस्था बन चुके भारत की जीडीपी की ग्रोथ को लेकर गोल्डमैन सैक्स ने चौंकाने वाला अनुमान जारी किया है। उसके अनुसार भारत की जीडीपी का ग्रोथ रेट घट सकता है। गोल्डमैन सैक्स ने केंद्र सरकार द्वारा एक्सपेंडेचर में कमी का हवाला देते हुए इस साल और अगले साल के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के पूर्वानुमान में 20 आधार अंकों की कटौती की है। बैंक को अब उम्मीद है कि देश की अर्थव्यवस्था कैलेंडर वर्ष 2024 में 6.7 प्रतिशत और 2025 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वर्ष की डाउनग्रेडिंग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सरकारी खर्च में 35 प्रतिशत साल-दर-साल कमी आ सकती है, जो सप्ताह भर चलने वाले आम चुनाव के साथ मेल खाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कारण भारत की इकोनॉमी की ग्रोथ पहले से थोड़ी कम रह सकती है। हालांकि इस महीने की शुरुआत में आरबीआई एमपीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

आरबीआई ने भी घटाया था जीडीपी ग्रोथ अनुमान

जून में लोकसभा चुनाव 2024 के बाद पहली एमपीसी ऐलान में केंद्रीय बैंक ने 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। आरबीआई ने 2024-25 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी 7.1 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.3 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह इस साल की लगातार चार तिमाहियों के लिए 7.3 प्रतिशत, 7.2 प्रतिशत, 7.3 प्रतिशत और 7.2 प्रतिशत के पिछले अनुमान से थोड़ा अलग है।

रेटिंग एजेंसी ने भी लगाया अनुमान

इस बीच, रेटिंग फर्म आईसीआरए ने भी अनुमान लगाया है कि सरकारी पूंजीगत व्यय में कमी और शहरी उपभोक्ता विश्वास में गिरावट के बीच देश के सकल घरेलू उत्पाद का साल-दर-साल विस्तार वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में छह तिमाहियों के निचले स्तर 6.0 प्रतिशत पर आ जाएगा, जो वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत था। आईसीआरए का अनुमान आरबीआई के जीडीपी अनुमान से काफी कम है। आरबीआई ने 2024-25 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आईसीआरए ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में संसदीय चुनावों से कुछ क्षेत्रों के गतिविधि में अस्थायी रूप से सुस्ती देखी गई और केंद्र और राज्यों दोनों के लिए सरकारी पूंजीगत व्यय में सुस्ती देखी गई है। इसक कारण भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान में कमी आएगी।

पहला रियूजेबल हाइब्रिड रॉकेट लॉन्च

53 सैटेलाइट सबऑर्बिटल में स्थापित होंगे; ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के रिसर्च में मदद मिलेगी

चेन्नई (ईएमएस)। भारत ने शनिवार को अपना पहला रियूजेबल हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई1 लॉन्च किया। चेन्नई के थिरुविदंधई से मोबाइल लॉन्चर के जरिए रॉकेट की लॉन्चिंग हुई। रॉकेट को तमिलनाडु बेस्ड स्टार्टअप स्पेस जोन इंडिया और मार्टिन ग्रुप ने मिलकर बनाया है। हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई1 के जरिए 3 क्यूब सैटेलाइट और 50 पीआईसीओ सैटेलाइट को सफलतापूर्वक सबऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी में स्थापित किया जाएगा। ये सैटेलाइट ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज से जुड़े रिसर्च के लिए डेटा इकत्र करेंगे।

आरएचयूएमआई1 रॉकेट जेनेरिक फ्यूल बेस्ड हाइब्रिड मोटर और इलेक्ट्रिकली ट्रिगर पैराशूट सिस्टम से लैस है। रॉकेट को फ्लेक्सिबिलिटी और रियूजेबल पर फोकस करते हुए खास तरह से डिजाइन किया गया है।

रॉकेट के कंपोनेंट समुद्र में सुरक्षित लैंड करने में सक्षम

हाइब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई1 में इको-फ्रेंडली और कॉस्ट इफेक्टिव मैकेनिज्म है। इसमें सीओ2 ट्रिगर पैराशूट सिस्टम लगा है। इसकी मदद से रॉकेट के कंपोनेंट सुरक्षित समुद्र पर वापस लैंड कर सकते हैं। इससे अंतरिक्ष लॉन्च की लागत कम होगी। रॉकेट के कंपोनेंट्स को आसानी से रिकवर किया जा सकता है। रॉकेट का एयर फ्रेम कार्बन फाइबर, ग्लास फाइबर से बना है। रॉकेट के साथ अंतरिक्ष में भेजी गईं तीन क्यूब सैटेलाइट्स एटमॉस्फियर कंडीशन जैसे कॉस्मिक रेडिएशन, यूवी रेडिएशन और एयर क्वालिटी की समीक्षा कर सकेंगी। स्पेस जोन वन कंपनी के सीईओ आनंद मेगालिंगम ने कहा कि इस रॉकेट की मदद से रेडिएशन स्तर, वाइब्रेशन और तापमान का डेटा इकट्ठा किया जा सकेगा।

रुस से तेल खरीदना बंद करें भारत सहित दुनिया के देशः जेलेंस्की

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के राष

जन हितैषी

पड़ोसियों के बीच अकेला पड़ा भारत

भारत अपने पड़ोसी देशों के बीच में अकेला खड़ा नजर आ रहा है। पड़ोस के देशों के साथ हमारे संबंधों में एक शून्यता पैदा हो गई है। किसी भी देश के लिए उसके पड़ोसियों से अच्छे संबंध होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हर सुख-दुख में सबसे पहले पड़ोसी ही खड़ा होता है। कहा जाता है, पड़ोसी भाग्य से मिलते हैं। मित्र तो बनाए जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी को नहीं बनाया जा सकता है। भारत हमेशा गुटनिरपेक्ष देशों का समर्थक रहा है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश की है। विभाजन में पाकिस्तान एक अलग देश बना था। उसके साथ हमारे संबंध हमेशा तनाव पूर्ण रहे। स्वतंत्रता के समय और उसके पश्चात 1965- 1971 इत्यादि में हमें पाकिस्तान से बड़े युद्ध भी लड़ना पड़े हैं। 1962 में चीन के साथ भारत का युद्ध हुआ। जबकि इसके पहले भारत और चीनी भाई-भाई के नारे लगे थे। तमाम विसंगतियों के बाद भी भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से बेहतर रिस्ते बनाने की कोशिश की। जिसके कारण भारत अन्य देशों की तुलना में लगातार विकास करता रहा। लोकतांत्रिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्थाओं में भारत का प्रदर्शन हमेशा विकासशील रीष्ट्रों मे सर्वश्रेष्ठ रहा है। 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ। भारत ने उसे पर अधिकार जमाने के स्थान पर मुजीबुर्र रहमान को वहां का शासक बनाया। बांग्लादेश को अपना एक अच्छा पड़ोसी बनाया। हमने अपनी सीमाओं को पाकिस्तान और चीन से सुरक्षित करने में कई सीमावर्ती राज्यों के साथ समझौते कर, उन्हें अपने साथ मिलाया। नेपाल, भूटान श्रीलंका,वर्मा इत्यादि देशों के साथ हमेशा हमारे सामाजिक आर्थिक और व्यापारिक रिश्ते बेहतर रहे। पिछले कुछ वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते तनाव पूर्ण होते चले गए। पड़ोसी देश चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के पड़ोसी देशों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाया। भारत की विदेश नीति खड़े-खड़े तमाशा देखने की रही। जिसके कारण हमारे पड़ोसी देशों के साथ वर्तमान में बहुत अच्छे संबंध नहीं है। भारत की तुलना में पड़ोसी देशों की चीन के साथ ज्यादा निकटता है। पड़ोसी देशों के साथ मिलकर चीन ने भारत की सीमाओं पर नई चुनौती खड़ी कर दी है। 2009 के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध बहुत अच्छे थे। शेख हसीना की पढ़ाई लिखाई भारत में हुई थी। उन्होंने अपना कठिन समय भारत में काटा था। लेकिन यह बात भी उतनी ही सही है, 2014 के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले बढ़े। भारत के अलावा चीन के साथ भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे रहे। पश्चिम बंगाल का रेडीमेड उद्योग सारे देश की सस्ते रेडीमेड कपड़ों की जरूरत को पूरा करता रहा है। उस ओर भारत सरकार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने ध्यान नहीं दिया। बांग्लादेश ने रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में विशेष रूप से ध्यान दिया। चीन के बाद बांग्लादेश सबसे बड़ा रेडीमेड वस्त्रों का निर्यातक बन गया। लगातार सत्ता में बने रहने के कारण बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अहंकार और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। बांग्लादेश के 15 से 24 वर्ष के 30 फ़ीसदी युवा बेरोजगार हो गए। सामाजिक विघटन बांग्लादेश में तेज हुआ। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के स्थान पर तानाशाही, शासन और प्रशासन में आ गई। भ्रष्टाचार बढ़ गया। अदानी समूह द्वारा बिजली सप्लाई का जो अनुबंध बांग्लादेश के साथ किया गया। उससे पूरे बांग्लादेश में यह संदेश गया, कि बिजली सौदे में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। जिसके कारण भारत के खिलाफ भी बांग्लादेश में वातावरण बनने लगा था। 2024 के आम चुनाव के पहले शेख हसीना ने विपक्षी दलों को जेल भेज दिया। विपक्षी दलों ने भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। भारत ने बांग्लादेश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लिया था। जिस तरह से शेख हसीना ने चुनाव कराए। भारी बहुमत से शेख हसीना चुनाव भी जीत गई। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी, वह अपना सिंहासन ज्यादा दिनों कायम नहीं रख पाई। उन्हें अपना देश छोड़कर भागना पड़ा। वर्तमान में भारत के पड़ोसी देशों से बहुत अच्छे संबंध नहीं होना, सीमाओं पर लगातार कानून व्यवस्था की चुनौती, पड़ोसी देशों के साथ चीन के बेहतर संबंध, भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। जब सारी दुनिया की महाशक्तियां, आर्थिक मंदी और तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर खड़ी हैं। ऐसे समय पर भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर गए हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति से उनकी मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ शांति का प्रस्ताव रखा है। 4 समझौते भी उन्होंने यूक्रेन के साथ किए हैं। शांति बनाए रखने के लिए मोदी की इसके पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी बात हुई थी। अब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात हुई है। वर्तमान स्थिति में रूस और यूक्रेन के बीच में युद्ध विराम हो जाता है। तो यह रुस और यूक्रेन के साथ - साथ भारत के लिए एक अच्छी खबर और एक अवसर होगा। इसका असर भारत के आर्थिक और राष्ट्रीय परिपेक्षय में बेहतर होगा। भारत सरकार को पड़ोसी देशों के साथ अपने रिस्ते मजबूत बनाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य करना होगा।

यूक्रेन का दौरा व भारत-रूस संबंध

हमारे धर्म-ग्रन्थों में कहा गया है कि इस दुनिया में सबसे दुलर्भ आदमी का शरीर है। सारे प्राणियों में आदमी को ऊँचा माना गया है और वह इसलिए कि आदमी के पास बुद्धि है, विवेक है। संसार में जितनी ईजादें हुई हैं, सब बुद्धि के बल पर हुई है। आप सबेरे दिल्ली में नाश्ता करके चलते है और दोपहर का खाना मास्कों में खा लेते है। हजारों मील की यात्रा घंटों में हो जाती है। यह सब आदमी की बुद्धि से ही सम्भव हुआ है।

जिसके पास इतनी बड़ी चीज हो, वह धन के या दुनियादारी की चीजों के पीछे भटके, यह उचित नहीं है। बुद्धि का उपयोग उसे बराबर आगे बढ़ने के लिए करना चाहिए। जिन्होंने ऐसा किया है, उन्होंने मानवता की बड़ी सेवा की है। उनका नाम अमर हो गया है। भारत और रूस के संबंध काफी पुराने हैं। अक्बतूर 2000 में भारत-रूस सामरिक साझेदारी घोषणा पर हस्ताक्षर करने के बाद से, भारत-रूस संबंधों ने राजनीतिक, सुरक्षा, रक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा संस्कृति सहित द्विपक्षीय संबंधों के लगभग सभी क्षेत्रों में सहयोग के बढ़े हुए स्तरों के साथ एक गुणात्मक रूप से नया स्वरूप देखा गया है।

शीत युद्ध के दौरान, भारत और सोवियत संघ के बीच एक मज़बूत रणनीतिक, सैन्य, आर्थिक और राजनयिक संबंध थे। सोवियत संघ के विघटन के बाद, रूस को भारत के साथ अपने घनिष्ठ संबंध विरासत में मिले, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों ने एक विशेष सामरिक संबंध साझा किया।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में खासकर पोस्ट-कोविड परिदृश्य में संबंधों में भारी गिरावट आई है। इसका सबसे बड़ा कारण रूस के चीन और पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में भारत के लिए कई भू-राजनीतिक मुद्दों का कारण बना दिया है। इस स्थिति में दिनांक 23 सितम्बर 24 को प्रधान मंत्री का यूक्रेन का दौरा अच्छा नहीं है, जब रूस और यूक्रेन के बीच कड़ी लड़ाई और युद्ध चल रहा है। भारत-रूस सैन्य-तकनीकी सहयोग एक क्रेता-विक्रेता ढांचे से विकसित हुआ है जिसमें उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान, विकास और उत्पादन शामिल हैं।रूस भारत के लिए रूस के साथ घनिष्ठ संबंध हैं प्रधान मंत्री का यूक्रेन का दौरा से सम्बन्ध खराब हो सकते हैं पैसे की होड़ में व्यापार संधि अच्छी नहीं है

यह जानते हुए भी कि धन-दौलत की आदमी को देखते कोई कीमत नहीं है, आज सभी समाजों में, सभी देखों में, पैसे का बोलबाला है। अमरीका के पास बहुत धन है, पर वह और धन चाहता हैं। रूस के पास उतना पैसा नहीं है; लेकिन वह चाहता है कि उसके देशवासी खूब खुशहाल हों। यही हाल दूसरे बहुत-से देशों का है। वे सब दिन-रात पैसे की होड़ में दौड़ रहे है। जानते हैं, इसका नतीजा क्या है? इसका नतीजा यह है कि अमरीका के बहुत-से लोग रोज़ रात को नींद की दवा लेकर सोते है। उनके जीवन में सहजता नहीं है और जिसके जीवन में उतावली या उलझन है, उसे नींद कहाँ से आयेगी!

दुनिया आज हैरान इसीलिए बनी हुई है कि उसका मुँह दौलत की ओर है। यहाँ दौलत से मतलब सिर्फ़ रूपये-पैसे से ही नहीं है, सुख-सुविधा की बाहरी चीजों से भी है। ऐसी चीजों के पीछे पड़ने से आदमी को लगता है कि उसे कुछ मिल रहा है, पर उसकी हालत वैसी ही होती है, जैसी की रेगिस्तान में भ्रम से दीख पड़ने वाले पानी को देखकर हिरन की होती है। वह उसकी ओर दौड़ता है, पर पानी हो तो मिले! बेचारा भटक-भटककर प्यासा होता है। (लेखक—संजय गोस्वामी/ईएमएस)

दागी जनप्रतिनिधित्व में लचर कानून व्यवस्था

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने हाल ही में साल 2019 और 2024 के बीच चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गये मौजूदा सांसद और विधायकों के 4809 हलफनामो में से 4693 की जांच की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमे महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों व 135 विधयकों को चिन्हित किया गया है जिनमें से अधिकांश के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 के तहत दस साल के कठोर दंड का प्रावधान है जिसे आजीवन कारावास तक बढाया जा सकता है। इनमें से 2 सांसद तथा 14 विधायक है ।आरोप में एक ही पीडिता के खिलाफ बार बार अपराध की घटनाये शामिल हैं जो अपराध को संगीन बताती हैं। रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक 54 सांसद और विधायक भाजपा के हैं जबकि कांग्रेस के 23 और तेलगूदेशम के 17 सदस्य अपराध प्रवृति के हैं।

यह रिपोर्ट कानून बनाने और उसका पालन करने के प्रति वचनबद्ध सदस्यों के चयन को लेकर अनेक प्रश्न खड़े करती है। महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित संवैधानिक कर्तव्यों की जिम्मेदारी के लिए आस्था जताने वाले नागरिकों के विश्वास पर क्या ऐसे सदस्यों की आत्मा सदन में पहुंच कर कभी मूल्यों के प्रति उन्मुख हुई। इसकी वास्तविकता समय-समय पर उजागर होते समाचार मसलन जनहित से जुड़े प्रश्न के बदले पैसे मांगने, सदन को अखाड़ा बनाने, पोर्न वीडियो देखने, शयन आरामगाह से स्पष्ट होते हैं। बावजूद इसके अप्रत्याशित रूप से ताउम्र वेतन भत्ते पेंशन लेने के अधिकारी हैं।जो आम नागरिकों के लिए सबसे बड़ा खतरा हो, उसी की सुरक्षा में पूरा तंत्र झोंक दिया जाता है। सर्वाधिक व्ययसाध्य चयन की इस बेलगाम प्रणाली पर नियंत्रण न रख पाने में चुनाव आयोग सर्वोच्च न्यायालय और कानून की अपनी अपनी विवशतायें है। दोष सिद्ध होने पर दंड से बच निकलने पर भी इनका जमीर उन पीड़ितों से सहानुभूति बटोरकर महिमा मंडित होने में सफल होता है जिस अपराध में इनकी संलिप्तता होती है।

रिपोर्ट की वास्तविकता से यह तथ्य प्रकट होता है कि भयमुक्त समाज की स्थापना सुचिता, अनुशासन और मर्यादा के लक्ष्य को लेकर राजनीति में आई भारतीय जनता पार्टी जैसी पार्टियां दागी और आपराधिक प्रवृत्ति के चरम पर है। यह स्वच्छ व नैतिकतापूर्ण राजनीति की विसंगति का वीभत्स स्वरूप है जिससे समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। इसी तरह राजनीतिक शुचिता का दम भरने वाली आम आदमी पार्टी ने आपराधिक पृष्ठभूमि के लगभग तेरह फीसद प्रत्याशियों को अपना उम्मीद्वार बनाया। उसके बत्तीस में से छब्बीस उम्मीदवारों पर गंभीर अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

ऐसे में एक लोकतांत्रिक प्रणाली में जनता द्वारा चुनकर आये प्रतिनिधियों का समाज और लोगों की मानसिकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्हें अपराध का भय नहीं होता क्योंकि यदि कुयोगवश कभी कानूनी शिकंजे में फंस जाएं तो भी उनमें रसूख के बल पर निजात पाने का विश्वास होता है। बीते कई सालों में देश के अहम राजनीतिक दलों ने ऐसे उम्मीदवारों को भी टिकट दिए, जिन पर बलात्कार जैसे संगीन अपराध के आरोप हैं। इससे अपराधिक तत्वों को प्रश्रय मिला है । राजनीतिक दलों का लक्ष्य प्रत्याशियों का चरित्र नहीं, अपितु उनके जीतने की संभावना पर रहता है, इसलिए वे दबंग किस्म के लोगों को ज्यादा अनुकूल पाते हैं। यही स्थिति धनबल का है। जिसके पास अधिक धन है, जो किसी भी राजनीतिक दल को आर्थिक रूप से मदद करने में सक्षम हैं, उन्हें आसानी से राजनीतिक दल चुनाव का टिकट दे देते हैं। अक्सर गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वालों के पास धनबल भी अधिक होता है और राजनीतिक संरक्षण पाने की मंशा से जीत की संभावना वाले राजनीतिक दल का दामन थाम लेते हैं। राजनीति में आपराधिक छवि के लोगों की बढ़ती पैठ इसलिए चिंता का विषय है कि उनके सत्ता में आने से न सिर्फ उन पर चल रहे मुकदमों में न्याय प्रभावित होता, बल्कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना चुनौती बना रहता है। फिर सबसे बड़ा लोकतांत्रिक सैद्धांतिक सवाल सदा अनुत्तरित रह जाता है

हाल ही में कोलकाता जैसे अपराध से समाज को मुक्त करने में कानून की बात बेमानी साबित होगी । सच तो यह है कि बलात्कार जैसी पीड़ा से गुजरने वालों के लिए इंसाफ की लड़ाई तब तक पूरी नहीं हो सकती, जब तक कि बार-बार सामने आने वाली इन जघन्य वारदातों के पीछे की असल वजह को न समझा जाए, क्योंकि जब तक इन अपराधों के पीछे की वजह को पूरी तरह समझ कर इनके समाधान की ओर कदम नहीं बढ़ाया जाता, बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों को सिर्फ कठोर दंड के सहारे रोक पाना टेढ़ी खीर साबित होगी। (लेखक - राकेश कुमार वर्मा/ईएमएस)

आंध्र प्रदेश हादसा :भीषण अग्निकांड का जिम्मेवार कौन?

देश में हर वर्ष मजदूर दबकर व जलकर मारे जा रहे हैं। ताज़ा दर्दनाक अग्निकांड 21अगस्त 2024 को आंध्र प्रदेश के आनाकापल्ले जिले की एक फ़ार्मा कम्पनी में 21अगस्त बुधवार को करीब 2 बजे आग लग गई जिसमें 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए यहाँ 381 कर्मचारी काम करते हैं जब आग की घटना हुई तब ज्यादातर कर्मचारी लंच करने गए थे अन्यथा मरने वालों की संख्या बहुत होतीत केपिस्टर रियेक्टर में ब्लास्ट होने से यह हादसा हुआ हैत 23 मई को भी महाराष्ट्र के ठाणे में केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और साठ लोग घायल हो गए थेत 2 फ़रवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ था जहाँ 35 लोग झूलस गए थे और एक महिला की मौत हो गई थीत फैक्ट्री के प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया था आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली थी इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक पर लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफ़ी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिएत वर्ष 2019 में राजधानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे। एडीआरएफ की टीम ने 56 लोगों की जान बचा ली थी। यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी। आग लगने का कारण शार्टसर्किट था। भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंर्तगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है। पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी। लाशों के ढेर लग गए थे। चीखो पुकार मच गई थी। मजदूर खाक ह गए थे। कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। 2024 में भी उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं।गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है। लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था। आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है।प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके। दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए।यह बहुत ही दुखद है। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे। 500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टॉसफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुटटी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती ।नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा।मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे।सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें।यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए। इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से अधिक लोगों की इमारत के भितर दब गए थे। यह हादसा कनाकोना शहर में घटित हुआ था जो राजधानी पणजी से 80 किलोमीटर दूर था। यह हादसा दोपहर तीन बजे के करीब हुआ जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें ।यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया था। भले ही प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है।ऐसे हादसे पहले भी हो चुके है जिसमें सैंकड़ों लोग लापरवाही के कारण मारे जा चुके हैं। इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौगंटे खडे हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आंकडे बताते है कि 2001 से 21 अगस्त 2024 तक हजारों मजदूर मारे जा चुके हैं। इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं सरकारें ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती। देश में प्रतिदिन ऐसे मर्मांतक हादसे होते है मगर प्रकाश में नहीं आते। इन हादसों में सैंकड़ों बच्चे अनाथ हो गए और कई मां-बहनों का सिदूर मिट गया और बहनों के भाई मारे गए।केन्द्र सरकार को इन हादसों के संदर्भ में छानबीन करवानी चाहिए तथा दोषियों को सजा देनी होगी। समय रहते इन घटनाओं को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक हादसों पर विराम लग सके। अगर अब भी सरकार ने लापरवाही बरती तो निदोर्ष लोग व मजदूर बेमौत मरते रहेगें। ऐसे हादसो पर रोक के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाए ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक की पुनरावृति न हो सके। (लेखक-नरेन्द्र भारती/ईएमएस)

क्यों विदेश में बस रहे भारतीय..... क्या बेहतर शिक्षा, नौकरी के मौके, मेडिकल सुविधाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीयों में विदेश में बसने का चलन तेजी से बढ़ा है। पिछले पांच सालों में 8 लाख, 34,000 भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी है। यह एक बड़ी संख्या है और सवाल उठाती है कि आखिर क्यों इतने सारे लोग भारत छोड़कर विदेश में बसने के लिए जा रहे हैं।

कोविड-19 महामारी से पहले यानी साल 2011 से 2019 के दौरान औसतन 132,000 भारतीय हर साल अपनी नागरिकता छोड़ रहे थे। साल 2020 और 2023 के दौरान यह संख्या 20 फीसदी बढ़कर हर साल दो लाख से ज्यादा हो गई। पिछले माह केंद्र सरकार ने राज्यसभा में भारतीयों के पलायन के जो आंकड़े पेश किए वे चौंकाने वाले थे। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह द्वारा पेश आंकड़ों के अनुसार 2023 में दो लाख, 16 हजार से अधिक भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी। विदेश राज्य मंत्री ने इसमें 2011 से 2018 तक का डेटा शामिल किया है। 2023 में अपनी नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की कुल संख्या 2,16,219 थी। इसकी तुलना में पिछले सालों के आंकड़े 2022 में 2,25,620, 2021 में 1,63,370, 2020 में 85,256 और 2019 में 1,44,017 ने छोड़ी नागरिकता।

2018 से 2023 तक भारतीयों ने 114 देशों में नागरिकता हासिल की है। अधिकांश लोग अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके और जर्मनी में बसे। लेकिन यह जानना दिलचस्प है कि पिछले छह सालों में 70 लोगों ने पाकिस्तानी नागरिकता हासिल की। वहीं, 130 ने नेपाली नागरिकता हासिल की और 1,500 लोगों ने केन्याई नागरिकता का विकल्प चुना। चीन के बाद भारत में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या दूसरी सबसे अधिक है, यहां के 15 लाख छात्र विदेश में पढ़ते हैं। भारत छोड़ने वाले लोगों की संख्या काफी बड़ी है। और यह सवाल उठाती है कि आखिर क्यों इतने सारे लोग भारत को छोड़कर विदेश जा रहे हैं? जानकारों के मुताबिक बेहतर शिक्षा, नौकरी के मौके , मेडिकल सुविधाएं और निवेश के लिए अनुकूल माहौल के कारण भारतीयों द्वारा अन्य देशों में बसने का रुझान बढ़ रहा है। विदेशों में अच्छी सैलरी और काम करने का बेहतर माहौल भी लोगों के लिए भारत छोड़ने की एक बड़ी वजह है।

विदेशों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा और अच्छी जीवन शैली की तलाश में लोग जा रहे है। कुछ लोग राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक तनाव से बचने के लिए देश छोड़ रहे हैं। कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से जैसे कि परिवार के साथ रहना, नए अनुभव प्राप्त करना आदि के लिए विदेश जा रहे हैं। अमेरिका सबसे अधिक संख्या में भारतीय छात्रों को आकर्षित करता है। भारतीय पासपोर्ट के साथ कई देशों की यात्रा के लिए वीजा की जरूरत होती है। जबकि अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे देशों के पासपोर्ट पर आपको दुनिया के ज्यादातर देशों में वीजा-मुक्त यात्रा करने को मिलती है।

भारतीय कानून दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं देता है। इसलिए जो लोग विदेशी राष्ट्रीयता प्राप्त करते हैं वे अपनी भारतीय नागरिकता खो देते हैं। भारत लौटने के लिए वीजा की आवश्यकता होती है। लेकिन साल 2006 में पेश किया गया ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड, भारत में वीजा-मुक्त प्रवेश और निजी रोजगार की अनुमति देता है। हालांकि, यह कार्ड 2015 में पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (पीआईओ) कार्ड बंद होने के बाद ही उपलब्ध हुआ।

शब्द पहेली - 8108

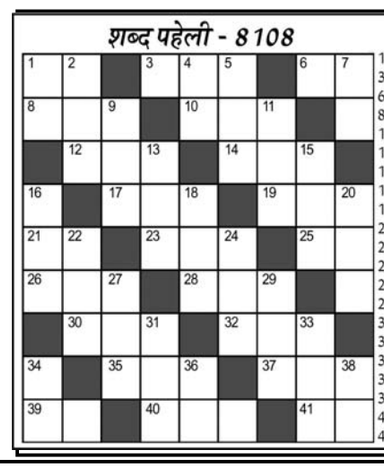

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्दर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8107 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में शिखर के योगदान को नहीं किया जाता याद

नई दिल्ली (ईएमएस)। शिखर धवन ने 24 अगस्त को फैंस को झटका देकर इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया। धवन अपने करियर में एक भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सके। लेकिन उन्होंने एक आईसीसी ट्रॉफी जरूर अपने नाम की। हम बात कर रहे चैंपियंस ट्रॉफी 2013 की। धवन चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। हालांकि, उनके योगदान को आज भी बहुत कम याद किया जाता है। चैंपियंस ट्रॉफी के एक मैच में शतक लगाकर धवन ने अपने बल्ले की 'धमक' दिखा दी थी। धवन ने मैच में 114 रन ठोके थे। तब उन्होंने 12 चौके और एक छक्का भी लगाया था। भारत ने दूसरा मैच 11 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था और 8 विकेट से जीता था। इस मैच में धवन ने फिर नाबाद 102 रन की पारी खेली थी। भारत ने यह मैच भी जीत लिया था।

तीसरे मैच में भारत और पाकिस्तान की टीम 15 जून को आमने-सामने थीं और भारत ने यह मैच डकवर्थ नियम से 8 विकेट से एकतरफा अंदाज में जीता था। धवन इस

पहली छमाही में अमेरिका भारत का बड़ा कारोबारी साझेदार बना:रिपोर्ट

- देश को इस अवधि में चीन के साथ 41.6 अरब डॉलर का अधिकतम व्यापार घाटा हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू ?वित्त वर्ष के पहले छह महीनों जनवरी-जून में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बना है जबकि देश ने इस अवधि में चीन के साथ 41.6 अरब डॉलर का अपना अधिकतम व्यापार घाटा दर्ज किया है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि जनवरी-जून, 2024 के दौरान देश का व्यापारिक निर्यात 5.41 प्रतिशत बढ़कर 230.51 अरब डॉलर हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन 41.6 अरब डॉलर के बड़े व्यापार घाटे के साथ सूची में सबसे ऊपर है, क्योंकि चीन को निर्यात 8.5 अरब डॉलर था, जबकि जनवरी-जून 2024 के दौरान आयात 50.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि भारत 239 देशों को उत्पादों का निर्यात करता है और इनमें से 126 देशों ने निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दिखाई है। इन देशों का भारत के कुल निर्यात में 75.3 प्रतिशत हिस्सा है।

निर्यात में वृद्धि वाले प्रमुख देशों में अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, सिंगापुर और चीन शामिल हैं। हालांकि, 98 देशों को निर्यात में गिरावट आई है जिनमें इटली, बेल्जियम, नेपाल और हांगकांग प्रमुख हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका भारत का शीर्ष निर्यात भागीदार है। अमेरिका को निर्यात जनवरी-जून, 2023 में 37.7 अरब डॉलर था जो इस साल की समान अवधि में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 41.6 अरब डॉलर हो गया। इस साल की पहली छमाही में, चीन भारत का सबसे बड़ा आयात आपूर्तिकर्ता बना रहा। चीन से आयात 46.2 अरब डॉलर से बढ़कर 50.1 अरब डॉलर हो गया।वित्त वर्ष 2023-24 में चीन भारत का शीर्ष कारोबारी साझेदार रहा लेकिन जनवरी से जून 2024 की अवधि में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बन गया। चीन दूसरे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में दूसरे स्थान पर रहा, जिसका कुल व्यापार 54.4 अरब डॉलर से 7.7 प्रतिशत बढ़कर 58.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। माल के निर्यात में वृद्धि को लौह अयस्क, दवा, कीमती पत्थर, बासमती चावल, रसायन और स्मार्टफोन जैसे क्षेत्रों द्वारा बढ़ावा दिया गया। सेवाओं के मोर्चे पर, निर्यात 6.9 प्रतिशत बढ़कर 178.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 5.79 प्रतिशत बढ़कर 95 अरब डॉलर हो गया।

बीसीसीआई की आईपीएल से होने वाली कमाई 116 फीसदी बढ़ी : रिपोर्ट

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी विश्व का सबसे धनी बोर्ड है। उसकी आईपीएल लीग भी विश्व में नंबर एक पर है। फ्रेंचाइजी लीग में कोई भी लीग उसके सामने टिकती नहीं है। बीसीसीआई की आईपीएल से होने वाली कमाई 2022 से 2023 के बीच 116 फीसदी बढ़ी है। बीसी सीआई की सालाना रिपोर्ट के अनसार बोर्ड ने 2022 के आईपीएल सीजन से 2,367 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था, जो साल 2023 के आईपीएल संस्करण में 5120 करोड़ रुपए हो गया है। इस बढ़े हुए लाभ का मुख्य कारण प्रसारण अधिकार है, जिसे बोर्ड ने 2023 से 2027 के सीजन के लिए 48,390 करोड़ रुपए में बेचा है। इसके अलावा दो साल पहले शुरु हुई महिला क्रिकेट ली से भी बीसीसीआई को 259 करोड़ की लागत से 636 करोड़ का लाभ हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023 में बीसीसीआई का बैंक बैलेंस भी साढ़े पांच हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गया। बीसीसीआई टॉप-10 क्रिकेट बोर्डों के मुकाबल 85 फीसदी राजस्व हासिल करता है। वहीं कमाई के मामले में दूसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया का क्रिकेट बोर्ड क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) है पर उसकी और बीसीसीआई की कमाई में काफी अंतर है। वहीं तीसरे नंबर पर इंग्लैंड बोर्ड है।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर जेलेंस्की, ...महान देश की यात्रा कर खुशी होगी

कीव (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की के साथ व्यापक वार्ता की और यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्षका समाधान निकालने के लिए एक-दूसरे से बातचीत की जरूरत पर जोर दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

इस पर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें महान देश की यात्रा करके खुशी होगी। दोनों नेताओं के बीच बातचीत के बाद मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुष्टि की कि मोदी ने जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि हमारे प्रधानमंत्री ने 1992 के बाद पहली बार यूक्रेन का दौरा किया है। इसके बाद यह स्वाभाविक है कि वह निमंत्रण दें, जैसा कि उन्होंने इस मामले में किया।

जयशंकर ने कहा, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि अपनी सुविधा के अनुसार, राष्ट्रपति जेलेंस्की भारत आएंगे। संयुक्त बयान में कहा गया कि मोदी ने जेलेंस्की को अपनी सुविधा के अनुसार भारत आने का निमंत्रण दिया। पीएम मोदी के निमंत्रण पर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें भारत आकर खुशी होगी। उन्होंने कहा, हां (भारत की यात्रा की योजना), क्योंकि जब आप रणनीतिक साझेदारी शुरू करते हैं और आप कुछ बातचीत शुरू करते हैं, तब मुझे लगता है कि आपको समय बर्बाद करने और बहुत देर तक विराम लेने की जरूरत नहीं होती है। इसलिए मुझे लगता है कि फिर से मिलना अच्छा रहेगा।

उन्होंने कहा, मैंने आपके बड़े और महान देश के बारे में बहुत कुछ पढ़ा है। यह अफ़सोस की बात है, क्योंकि युद्ध के दौरान, मेरे पास देखने और देखने का समय नहीं था। मुझे आपके देश की बहुत जरूरत है। यह आपकी ऐतिहासिक पसंद के बारे में नहीं है, लेकिन कौन जानता है कि शायद आपका देश इस राजनयिक प्रभाव की कुंजी साबित हो सकता है।

वहीं पीएम मोदी और जेंलेस्की की मुलाकात पर जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जेलेंस्की को यूक्रेन में शांति बहाली के लिए 'हर संभव तरीके' से योगदान करने की भारत की इच्छा से अवगत कराया। उन्होंने कहा, 'यह बहुत विस्तृत, खुली और कई मायनों में रचनात्मक वार्ता थी। बातचीत कुछ हद तक सैन्य स्थिति, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चिंताओं और 'शांति के लिए सभी संभव तरीकों' पर केंद्रित थी।

जन्माष्टमी से पहले आभूषण खरीदारों को राहत!

नई दिल्ली (ईएमएस)। जन्माष्टमी से पहले भारतीय बाजारों में सोने और चांदी के भाव में गिरावट देखने को मिली है, जिससे ज्वैलरी खरीदारों को राहत मिली है। श?निवार को 24 कैरेट सोने की कीमत देश के प्रमुख शहरों में औसतन 72,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रही है, वहीं 22 कैरेट सोना 66,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब बिक रहा है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में, सोने के भाव क्रमश: 72,640 और 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम हैं। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 72,690 रुपये और 22 कैरेट सोना 66,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम है। गुरुग्राम और लखनऊ में 24 वैरेट सोना 72,790 रुपये और 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से उपलब्ध है। बेंगलुरु, जयपुर, पटना, भुवनेश्वर, और हैदराबाद में भी सोने की कीमतें समान स्तर पर हैं। चांदी के मामले में दिल्ली में इसकी कीमत 86,600 रुपये प्रति किलोग्राम है, जो पिछले दिन की तुलनामें 300 रुपये कम है। शुक्रवार को दिल्ली में 24 वैरेट सोना 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 87,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा, 22 अगस्त को 24 वैरेट सोना 74,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 87,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। 23 अगस्त को एमसीएक्स पर आखिरी कारोबारी सत्र में 4 अक्टूबर की डिलीवरी वाला गोल्ड 71777 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था, जबकि 5 दिसम्बर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोना 72205 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एमसीएक्स पर 5 सितंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाली चांदी 852111 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी।

पैन अपडेट के फेक मैसेज ने मचाया हड़कंप!

नई दिल्ली (ईएमएस)। 24 घंटे के अंदर पैन अपडेट करो नहीं तो आपका अकाउंट ब्लॉक कर दिया जाएगा। इन दिनों हजारों लोगों में इस मैसेज से हड़कंप मचा हुआ है। इस मैसेज में दावा किया जा रहा है कि यह इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक द्वारा भेजा गया है और खाताधारकों को अकाउंट में पैन अपडेट करने के लिए कहा जा रहा है। इस मैसेज के साथ एक लिंक भी अटैच है। ऐसा न करने पर 24 घंटे के भीतर अकाउंट के ब्लॉक होने की बात कही जा रही है। इस तरह मैसेज पर प्रेस इनफार्मेशन ब्योरो फैक्ट चेक ने स्पष्टीकरण जारी किया है और कहा है कि भारतीय डाक कभी भी अपने ग्राहकों को इस तरह के मैसेज नहीं भेजता। पीआईबी ने बैंक संबंधी निजी जानकारी साझा न करने की चेतावनी जारी की है। पीआईबी फैक्ट चेक ने एक्स पर अपने पोस्ट में पुष्टि की है कि यह एक फर्जी संदेश है और उपयोगकर्ताओं को सचेत रहने के लिए कहा है। इस पोस्ट में पीआईबी फैक्ट चेक ने इंडिया पोस्ट को टैग करते हुए लिखा कभी भी ऐसा कोई संदेश नहीं भेजता है। कभी भी अपने व्यक्तिगत और बैंक विवरण किसी के साथ साझा न करें। इन दिनों जालसाज लोगों को अकाउंट ब्लॉक होने का डर दिखाकर ठगने का प्रयास कर रहे हैं।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हीरा मिला, वजन लगभग आधा किलो

गेबरोन (ईएमएस)। 1905 में दुनिया का सबसे बड़ा हीरा खोजा गया था। यह हीरा 3106 कैरेट का था। 1 कैरेट में 200 मिलीग्राम होते हैं। इससे आप अनुमान लगा सकते हैं कि यह हीरा कितना बड़ा था। अब 119 साल बाद एक और हीरा मिला है जिसे दुनिया का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा डायमंड कहा जा रहा है।

इसका वजन लगभग आधा किलो है। यह हीरा 2492 कैरेट का है। इसे बोत्सवाना में एक कनाडाई माइनिंग कंपनी द्वारा खोजा गया है। दुनिया में जितने हीरे निकलते हैं उनका 23 फीसदी बोत्सवाना से आता है। इस हीरे को बोत्सवाना की राजधानी गेबरोन से करीब 500 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कैरो खदान से निकाला गया है। बता दें कि हीरा पूरी तरह कार्बन से बना होता है। धरती के अंदर जब मैग्मा एक जगह एकत्रित हो जाता है तो काफी लंबे समय तक वहां ताप और दबाव झेलने के कारण कार्बन के क्रिस्टल धीरे-धीरे हीरे में परिवर्तित हो जाते हैं। अगर हीरे को एक खास तापमान पर गर्म किया जाए तो वह पूरा भाप बनकर गायब हो जाता है। सबसे शुद्ध हीरे में केवल 0.05 फीसदी अशुद्धि होती है।

1905 में साउथ अफ्रीका में दुनिया का सबसे बड़ा हीरा निकला था। इस हीरे को कलिनन डायमंड कहा जाता है। इसे 1907 में ब्रिटिश राजा एडवर्ड को भेंट किया गया था। बाद में इसके 9 टुकड़े किए गए। इस हीरे का सबसे बड़ा टुकड़ा ब्रिटिश राजा के राजदंड में लगा है। एक और हिस्सा राज मुकुट में जड़ा गया है। सबसे बड़े हीरे को ग्रेट स्टार ऑफ अफ्रीका भी कहा जाता है। 2019 में भी करीब 1758 कैरेट का हीरा खोजा गया था जिसे फ्रांस की फैशन कंपनी लुई विटॉन ने खरीद लिया था। हालांकि, इसकी कीमत के बारे में आजतक कोई पुष्ट खबर नहीं है। 2017 में 1111 कैरेट का हीरा 444 करोड़ रुपये में बिका था। अगर उस हिसाब से भी देखा जाए तो यह हीरा उस हीरे के साइज से दोगुने से भी बड़ा है। इसलिए उम्मीद लगाई जा रही है कि ये हीरा 1000 करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है। हालांकि, यह केवल अनुमान हैं और हीरे की असली कीमत इससे कहीं अधिक हो सकती है।

कुआलालंपुर में गड्ढे में गिरी भारतीय महिला, अभी तक कोई अता-पता नहीं

कुआलालंपुर (ईएमएस)। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में एक भारतीय महिला अचानक जमीन ढहने से बने गड्ढे में गिर गई। पुलिस ने बताया कि जमीन के नीचे बह रहे पानी में महिला के बह जाने की आशंका है।

पुलिस प्रमुख सुलिज्मी अर्फेंडी सुलेमान ने बताया कि यह हादसा मलेशिया की राजधानी के डांग वांगी क्षेत्र में हुआ है। पुलिस अधिकारी ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि जब महिला रास्ते से गुजर रही थी, तब अचानक जमीन का एक हिस्सा ढह गया जिससे 26 फुट गहरा गड्ढा हो गया और वह उसमें गिर गई।

उन्होंने बताया कि महिला भारत से मलेशिया घूमने के लिए आई थी और उसकी उम्र 48 वर्ष है। सुलेमान ने बताया कि बचावकर्मियों ने घटनास्थल के चारों ओर नाकेबंदी कर दी और गड्ढे से मलबा हटाने के लिए उत्खनन मशीन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन महिला का अभी कुछ पता नहीं चला है।

पुलिस से महिला की स्थिति या घटना के कारण के बारे में पूछने पर उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार किया। कुआलालंपुर के पुलिस प्रमुख रुस्दी मोहम्मद ईसा ने कहा कि जमीन के नीचे पानी का बहाव तेज था, इसलिए ऐसी आशंका है कि महिला बह गई होगी। उन्होंने बताया कि महिला अपने पति और कई मित्रों के साथ करीब दो माह पहले छुट्टियां मनाने मलेशिया आई थी और वे शनिवार को घर लौटने वाले थे।

चीनी नियंत्रण आदेश 1966 की समीक्षा करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस)। खाद्य मंत्रालय चीनी के उत्पादन, भंडारण और मूल्य निर्धारण से संबंधित लगभग छह दशक पुराने विनियमन को प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति के अनुरूप बनाने की योजना बना रहा है। इस संबंध में उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने चीनी (नियंत्रण) आदेश, 2024 का मसौदा जारी किया है। मंत्रालय ने उत्पादन प्रक्रिया में तकनीकी प्रगति के कारण चीनी (नियंत्रण) आदेश 1966 की समीक्षा करने का प्रस्ताव किया है। मंत्रालय ने मसौदा जारी करते हुए कहा ?कि चीनी क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं, जिसके कारण मौजूदा चीनी (नियंत्रण) आदेश, 1966 में सुधार की आवश्यकता है। मसौदा आदेश में सरकार को चीनी के उत्पादन को विनियमित करने के साथ-साथ उत्पादकों और डीलरों द्वारा इसकी बिक्री, भंडारण और निपटान को प्रतिबंधित करने की शक्ति प्रदान की गई है। मंत्रालय ने मसौदे पर 23 सितंबर तक हितधारकों से टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। चीनी के मूल्य को विनियमित करने की शक्ति के बारे में मसौदे में कहा गया है ?कि केंद्र सरकार बिक्री के लिए चीनी के मूल्य के संबंध में कोई भी आदेश जारी करते समय गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी), गन्ने से चीनी के उत्पादन के लिए अनुमानित और औसत परिवर्तन लागत, चीनी उत्पादन की प्रक्रिया में उत्पन्न उप-उत्पादों से औसत राजस्व प्राप्ति को ध्यान में रखेगी।

एमपॉक्स क्या नया कोरोना साबित होने जा रहा

जेनेवा (ईएमएस)। दुनिया भर में इसकी चिंता है कि क्या एमपॉक्स की बीमारी नया कोरोना साबित हो सकती है। जिससे दुनिया भर में फिर से लॉकडाउन लग सकता है। इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक्सपर्ट डॉ. हांस क्लुजे ने इसका स्पष्ट जवाब दिया है। डॉ. क्लुजे ने कहा है कि एमपॉक्स नया कोविड नहीं है, क्योंकि अधिकारी जानते हैं कि इस बीमारी को फैलने से कैसे रोका जाए। जब पूछा गया कि क्या एमपॉक्स के कारण फिर से लॉकडाउन लग सकता है, उन्होंने कहा कि ऐसी कोई आशंका नहीं है।

एमपॉक्स का जो नया वैरिएंट क्लेड आईबी आया है, वह बेहद खतरनाक है और इस बीमारी के कारण मौत का जोखिम 10 से 11 प्रतिशत तक है। यह देखकर पूरी दुनिया में भय होने लगा है। खासकर यूरोप के लोगों में, इस पर डब्ल्यूएच में यूरोप के रीजनल डायरेक्टर डॉ. क्लुजे ने कहा कि वायरस के नए वैरिएंट को लेकर बेशक चिंता है लेकिन हम सब मिलकर इस बीमारी के संक्रमण को रोक सकते हैं। हाल के कुछ महीनों में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में एमपॉक्स के कारण 450 लोगों की मौत हो चुकी है और इसका एक मामला स्वीडन में भी सामने आया है। एक्सपर्ट का कहना है कि नए वैरिएंट के बारे में हमें बहुत कुछ जानने की जरूरत है लेकिन वर्तमान हालात यह है कि यह बीमारी आसानी से फैल सकती है और गंभीर बन सकती है।

मंकीपॉक्स वायरस के नए स्ट्रैन की खोज डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगों में इसी साल अप्रैल में की गई है। हालांकि 2022 में ही इसका पहला मामला लंदन में सामने आया था। कांगो में अब तक 450 लोगों की मौत हो चुकी है। यह बीमारी अब कांगों के बाहर भी फैलने लगी है। इसलिए डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स पर ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है।

एमपॉक्स संक्रमण का असर 3 से 17 दिनों के बाद दिखने लगता है। संक्रमण का असर दिखने बाद मरीज में बुखार, स्किन में रैशेज, नसों का फूलना, सिर दर्द, बदन में ऐंठन, पीठ में दर्द, ठंडी और थकान जैसे लक्षण मरीज में दिखने लगते हैं। मंकीपॉक्स में स्किन पर रैशेज मुख्य रूप से मुंह, हाथ और पैरों में होते हैं। अब तक के ज्ञात वैज्ञानिक प्रमाणों के मुताबिक एमपॉक्स का संक्रमण समलैंगिक पुरुषों में ज्यादा होता है। यानी पुरुष का पुरुष के साथ यौन संबंध वाले पुरुषों को इस बीमारी का खतरा ज्यादा है। इसलिए कांगो में यौनकर्मियों में इस बीमारी के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि सिर्फ समलैंगिक पुरुषों में ही यह बीमारी हो सकती है बल्कि संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को भी एमपॉक्स का उच्च जोखिम रहता है।

मंदी के जाल में फंसा ड्रैगन.....नहीं बिके अपार्टमेंट्स को खरीदकर लोगों को कम दम में बेच रहा

बीजिंग (ईएमएस)। पिछले 2-3 वर्षों से चीन में पैदा हुई आर्थिक मंदी जैसी स्थिति के एक मूल कारण हाउसिंग इंडस्ट्री में गिरावट है। इस सुस्ती को खत्म करने के लिए चीन के आवास नियामक ने अभी तक नहीं बिके अपार्टमेंट्स को खरीदकर उन्हें अफॉर्डेबल हाउसिंग में बदलने का रास्ता अपनाया है, ताकि लोग घर खरीदें और मंदी के कोप से पार पाया जा सके।

चीन के आवास और शहरी-ग्रामीण विकास मंत्रालय के उपमंत्री डोंग जियांगुओ ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द सरकारी घरों को किराए पर देने और बेचने को बढ़ावा देगी। मंत्रालय ने हालांकि यह खुलासा नहीं किया कि कितने घरों को इस कैटेगरी में रखा जाएगा। बताया जा रहा हैं कि चीनी अधिकारी एक नए आवास मॉडल को जल्दी से लागू करने और लंबे समय से चल रहे संपत्ति संकट को रोकने की कोशिश में जुटे हैं। चीन में पिछले 4 सालों से यही हाल है, जिसके चलते नौकरियां भी प्रभावित हुई हैं और लोगों के हाथ में खर्च करने को पैसा नहीं है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि जिस घर के लिए आमतौर पर 100,000 युआन प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से 7 से 8 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते हैं, वहीं घर 20,000 –40,000 युआन प्रति वर्ग मीटर की दर से 2 से 3 करोड़ के बीच में मिल सकता है। यह छटपटाहट साफ तौर पर इंगित करती है कि चीन की आर्थिक हालत काफी अस्थिर है।

शंघाई में मुख्य इलाकों में घर की औसत कीमत लगभग 100,000 युआन (10 लाख भारतीय रुपये) प्रति वर्ग मीटर है। 70 वर्ग मीटर के 2 बीएचके अपार्टमेंट के लिए करीब 6-7 मिलियन युआन (7-8 करोड़ रुपये) खर्च करना पड़ता है। इसके उलट, इन्हीं इलाकों में अफोर्डेबल घरों की कीमतें कम हैं। यह करीब 20,000 –40,000 युआन (2.5 से 5 लाख रुपये तक) प्रति वर्ग मीटर है। 70 वर्ग मीटर का 2 बीएचके अफोर्डेबल हाउसिंग के तहत 2-3 करोड़ रुपये में मिल सकता है। चीन की हाउसिंग को लेकर गूगल ट्रेंड में सर्च भी फिलहाल बढ़ रही है। बीजिंग में औसत कीमत करीब 80,000–90,000 युआन प्रति वर्ग मीटर है। एक 2 बीएचके अपार्टमेंट के लिए, लागत करीब 5-6 मिलियन युआन (सवा 5 करोड़ से 7 करोड़ रुपये) हो सकती है। अफोर्डेबल घरों के विकल्प 20,000 – 35,000 युआन प्रति वर्ग मीटर (2.5 लाख से 4 लाख रुपये तक) के बीच उपलब्ध हैं।

शेनजेन की मुख्य जगहों में औसत कीमतें लगभग 90,000–100,000 युआन प्रति वर्ग मीटर हैं। एक 2 बीएचके अपार्टमेंट की कीमत 6-7 मिलियन हो सकती है। कीमत शंघाई और बीजिंग के लगभग बराबर ही है।

बांग्लादेश की मदद के बहाने भारत विरोधी सरकार को अपने करीब लाने में जुटा पाकिस्तान

ढाका/इस्लामाबाद(ईएमएस)। अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद नाहिद इस्लाम ने भारत पर असहयोग का आरोप लगाया और दावा किया कि बिना किसी पूर्व चेतावनी के त्रिपुरा बांध के गेट खोले गए। भारत ने इससे इनकार किया हैइसमौके का फायदा अब पाकिस्तान उठाना चाहता है।पाकिस्तान जिसके पास खुद खाने के लिए नहीं है उसने बाढ़ में मदद करने को कहा है। पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने गहरा दुख जताते हुए कहा बांग्लादेश को सहायता की पेशकश की है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ मोहम्मद यूनुस को लिखे पत्र में शरीफ ने बांग्लादेश के लोगों के साथ पाकिस्तान की एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि वह उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों, घरों और आजीविका को खो दिया है। पाकिस्तानी पीएम की ऑफिस की ओर से इसे लेकर जानकारी दी गई। बता दें कि बांग्लादेश में इस समय बाढ़ से हालात खराब है। अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 48 लाख लोग बांग्लादेश की बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश के कारण ऐसे हालात हो गए हैं। कई भारतीय इलाके भी प्रभावित हुए हैं। लेकिन बाढ़ के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत को जिम्मेदार ठहराने में लगी है।

शरीफ ने बांग्लादेश की तारीफ करते हुए कहा कि बांग्लादेशी लोग अपनी बहादुरी और ताकत के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश का नेतृत्व इस चुनौतीपूर्ण समय में उनका मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने बांग्लादेश को कोई भी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए पाकिस्तान की तत्परता की पुष्टि की। कई हफ्तों की राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में नई सरकार आई है। उसे अब भीषण बाढ़ की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश सैकड़ों नदियों से घिरा है जिसा कारण अक्सर बाढ़ का अनुभव करता है। खास तौर से मानसून के मौसम में यहां स्थिति खराब हो जाती है। बांग्लादेश में आई भारत विरोधी सरकार ने अपना प्रोपेगेंडा शुरू कर दिया है। वह बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार बता रही है। साथ ही बांग्लादेश के सोशल मीडिया पर बांध के पुराने वीडियो को यह कहकर शेयर किया जा रहा है कि भारत ने पानी छोड़कर बांग्लादेश में बाढ़ ला दी है। बांग्लादेश में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन पर अंतरिम सरकार की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने कहा कि ढाका चाहता है कि भारत किसी भी क्षेत्र से पानी छोड़ने से पहले बांग्लादेश को सूचित करे।

रूस में भूकंप के झटकों से कांपी धरती, कोई नुकसान नहीं

मास्को,(ईएमएस)। हर दिन कहीं न कहीं भूकंप आ रहे हैं और इनमें इजाफा भी हो रहा है। शनिवार को रूस में एक के बाद एक दो भूकंप के झटके महसूस किए गए । दोनों भूकंप ट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की के पास आए। पहला भूकंप ट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की से 151 किलोमीटर ईस्ट में आया इसकी तीव्रता 4.9 थी। भारतीय समयानुसार यह भूकंप तड़के 3.07 मिनट पर आया। दूसरा भूकंप ट्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की से 146 किलोमीटर ईस्टर्न साउथईस्ट में आया और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.8 थी। भारतीय समयानुसार यह भूकंप सुबह 5 बजकर 27 मिनट पर आया।

शनिवार को रूस में आए पहले भूकंप की गहराई 27.1 किलोमीटर और दूसरे भूकंप की गहराई 30.4 किलोमीटर रही। दोनों भूकंपों से प्रभावित क्षेत्र और आसपास के इलाकों में लोगों को झटके महसूस किए, लेकिन इन दोनों भूकंपों की वजह से कोई नुकसान नहीं हुआ।

पिछले कुछ महीनों में कुछ ऐसे भूंकप देखने को मिले हैं जिनसे भारी तबाही हुई है। पिछले साल तुर्की, सीरिया, मोरक्को, अफगानिस्तान, नेपाल और चीन में आए भूकंप ने भी तबाही मचाई थी। इसी साल एक जनवरी को जापान में आए भूकंप ने भी तबाही मचाई थी। 24 मार्च को पापुआ न्यू गिनी में आए भूकंप से भी भारी नुकसान हुआ था। तीन अप्रैल को ताइवान में आए भूकंप ने भी कुछ तबाही मचाई। हालांकि सभी भूकंप तबाही नहीं मचाते लेकिन भूकंप के मामलों में इजाफा होना एक गंभीर विषय है।

अब टीम इंडिया के लिए कभी नहीं चलेगा गब्बर का बल्ला

नई दिल्ली(ईएमएस)। शिखर धवन ने इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है। 24 अगस्त की सुबह-सुबह सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने रिटायरमेंट का ऐलान किया। गब्बर के नाम से मशहूर बाएं हाथ का यह बल्लेबाज लंबे समय से टीम से बाहर चल रहा था। शुभमन गिल सरीखे युवा ओपनर्स के आने के बाद से उनकी टीम में वापसी मुश्किल नजर आ रही थी। वह आईपीएल खेलेंगे या नहीं इस बारे में फिलहाल कोई अपडेट नहीं है। लगभग 39 साल के हो चुके शिखर धवन ने भारत के लिए सबसे पहली बार 2010 में वनडे क्रिकेट खेला था, इसके बाद टी-20 और फिर टेस्ट फॉर्मेट में डेब्यू का मौका मिला।

मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा और शिखर धवन ने मिलकर कई साल तक भारतीय टीम के लिए ओपनिंग की। दोनों टीम को तूफानी शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर थे। शिखर धवन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर डेब्यू करते हुए किसी पदार्पण खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टेस्ट शतक लगाकर सिलेक्टर्स को चौंका दिया था। दिल्ली के रहने वाले धवन एक आक्रामक बल्लेबाज थे, जो गेंदबाजों के परखच्चे उड़ाने में मशहूर थे। अपनी घुमावदार मूंछों से नया स्टाइल स्टेटमेंट बनाने वाले धवन का कैच लपकने के बाद जांघों पर हाथ मारने का सिग्नेचर स्टाइल हमेशा याद रखा जाएगा।

2003-04 के अंडर-19 विश्व कप में तीन शतकों के साथ 84।16 की औसत से 505 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। इसके बाद रणजी ट्रॉफी में धवन का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। आईपीएल और पांच वनडे मैच में निराशाजनक प्रदर्शन और टेस्ट सलामी बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद, ऐसा लग रहा था कि धवन को घरेलू क्रिकेट और टी-20 लीग तक की समेट दिया जाएगा, लेकिन किस्मत पलटी और सहवाग-गंभीर दोनों का फॉर्म अचानक बुरी तरह गिर गया, जिसके बाद 27 साल के धवन को मौका मिला और उन्होंने पीछे पलटकर नहीं देखा।

शिखर धवन आईपीएल में बैक-टू-बैक शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड धवन के नाम है। कुल रनों के मामले में वह सिर्फ विराट कोहली से पीछे हैं। धवन ने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल जीता। सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा शिखर धवन दिल्ली डेयरडेविल्स (डीडी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी), डेक्कन चार्जर्स, मुंबई इंडियंस (एमआई) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के साथ खेल चुके हैं। धवन ने पंजाब किंग्स और एसआरएच दोनों की कप्तानी भी की है।

2010 में धवन को भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। साल 2011 में उन्होंने टी20 जबकि 2013 में टेस्ट क्रिकेट मे डेब्यू किया। धवन के करियर में सबसे अच्छा साल 2013 रहा। जब उन्होंने 26 वनडे मैचों में 1162 रन ठोक डाले। इसी साल धवन ने चैंपियंस ट्रॉफी में 5 मैच में 363 ठोके थे। भारत इस साल तीसरी बार आईसीसी इवेंट का चैंपियन बना था। इसके बाद धवन को टीम में लगातार मौके मिलते रहे।

धवन ने भारत की तरफ से 167 वनडे, 68 टी20 और 34 टेस्ट मैच खेले हैं। टेस्ट में 7 शतक के साथ उनके नाम 2315 हैं जबकि वनडे में 17 शतकीय पारी की बदौलत 6782 रन बनाए हैं। टी20 में धवन ने 11 हाफ सेंचुरी जड़ते हुए 1759 रन बनाए हैं। धवन ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 10 दिसंबर 2022 को बांग्लादेश के खिलाफ ही खेला था। इसके बाद से उन्हें टीम इंडिया में कभी मौका नहीं मिला।

थाईलैंड में चार्टर प्लेन क्रेश, पायलट समेत नौ की मौत, जांच शुरु

बैंकॉक,(ईएमएस)। थाईलैंड में एक विमान क्रेश हो गया जिसमें पायलट समेत नौ लोगों की मौत हो गई है। विमान में पांच चीनी नागरिक भी सवार थे। विमान थाईलैंड जा रहा था। ये हादस

गुजरात में बन रहा साइक्लोनिक सर्कुलेशन, भारी बारिश के साथ चलेंगी तेज हवाएं, 5 दिनों के लिए अलर्ट जारी

अहमदाबादः गुजरात में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग (घ्ऊ) के अनुसार, अगले कुछ दिनों में राज्य के ज़्यादातर हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश होगी। अहमदाबाद में भी भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी ने बताया है कि उत्तर पूर्व अरब सागर में गुजरात के पास एक चक्रवाती हवा का क्षेत्र बना हुआ है, जिससे राज्य में और ज्यादा बारिश हो सकती है। आने वाले दिनों में गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

24 अगस्त से 28 अगस्त तक बहुत भारी बारिश होने की उम्मीद है।बनासकांठा,पाटन और अहमदाबाद सहितकई जिलों में येलो अलर्ट जारी कियागयाहै। 24 अगस्त को, वडोदरा, छोटा उदयपुर और आनंद जैसे स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिएऑरेंज अलर्ट जारी किया जाएगा। कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा भी होसकती है। 23 अगस्त से 26 अगस्त तक अहमदाबाद में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और भारी बारिश होगी। तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से 34डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 27 और 28 अगस्त को, मौसम में आम तौर पर बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ बारिश या बौछारें पड़ सकती हैं। तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से 32डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। सप्ताह भरलगातार बारिश जारी रहने कीउम्मीद है,जिसमें भारी बारिश होने कीसंभावनाहै। शहरमें नमी और बादल छाए रहेंगे।

भारी बारिश की वजह से उड़ानों में देरी हुई है। इसका कारण घूर्णी देरी और परिचालन संबंधी बाधाओं को बताया गया है। आईएमडी का कहना है कि खराब मौसम की वजह से उड़ानें लेट हो रही हैं। देश भर में भारी बारिश की वजह से उड़ानों के संचालन में दिक्कतें आ रही हैं। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की ताज़ा जानकारी लेते रहें और भारी बारिश के कारण होने वाली किसी भी परेशानी के लिए तैयार रहें। गुजरात में मॉनसून का प्रभाव जारी है, जिससे भारी बारिश की संभावना है। आईएमडी ने अहमदाबाद के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। हवाई अड्डे के संचालन में भारी बारिश के कारण उड़ानों में देरी हो रही है। गुजरात के कई हिस्सों में 24 अगस्त से 28 अगस्त के बीच भारी बारिश की संभावना है।

बारिश की वजह से अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय (एऋ्रध्)हवाईअड्डे पर भी काफी दिक्कतें आई हैं। गुरुवार को खराब मौसम के कारण19उड़ानें लेट हो गईं। दुबई और शारजाह जैसे अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानों में कम से कम दो घंटे की देरी हुई, जबकि दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों के लिए घरेलू उड़ानें 35 मिनट से तीन घंटे तक देरी से चलीं।

ग्रामीण परती भूमि पर स्थित 4.5 एफएसआई तक के अवैध निर्माण नियमित किए जाएंगे

गांधीनगर (ईएमएस) ग्रामीण परती भूमि क्षेत्र में अनावासीय अवैध निर्माण का उपयोग कर रहे लोगों के 4.5 फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफ एसआई) तक के अवैध निर्माणों को अब नियमित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में इम्पैक्ट फीस अधिनियम को अधिक लोकाभिमुख बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। भूपेन्द्र पटेल ने गुजरात अनधिकृत विकास नियमन (इम्पैक्ट फीस) अधिनियम 2022 को व्यापक समर्थन मिले तथा अधिक से अधिक लोग इस का लाभ प्राप्त कर सकें; ऐसे जनहितकारी दृष्टिकोण से ये निर्णय किए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार ग्रामीण परती भूमि क्षेत्र में अनावासीय अवैध निर्माण का उपयोग कर रहे लोगों के 4.5 फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफएसआई) तक के अवैध निर्माणों को अब नियमित किया जा सकेगा। अनधिकृत आवासीय निर्माण के मामले में 2000 वर्ग मीटर तक की मिसिंग (नहीं की गई) पार्किंग सुविधा तथा अनधिकृत अनावासीय निर्माण के मामले में 1000 वर्ग मीटर तक की मिसिंग (नहीं की गई) पार्किंग सुविधा के लिए फीस लेकर इन अनधिकृत निर्माणों को नियमित करने का प्रावधान किया गया है। पूर्व में मिसिंग पार्किंग का 50 प्रतिशत सम्बद्ध प्लॉट में या 500 मीटर की सीमा में पार्किंग का प्रावधान अनिवार्य था और शेष 50 प्रतिशत मिसिंग पार्किंग के लिए गुजरात अनधिकृत विकास नियमन अधिनियम 2022 की अधिसूचना से पार्किंग को नियमित करने हेतु निर्धारित की गई फीस वसूल कर अनधिकृत निर्माण नियमित करने का प्रावधान था। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा इम्पैक्ट फीस को लेकर किए गए इन महत्वपूर्ण निर्णयों को नियमानुसार कार्यवाही का अनुकरण कर शीघ्र ही लागू किया जाएगा।

अहमदाबाद में मेघराजा की विस्फोटक बल्लेबाजीः नरोदा में 4 घंटे में 2 इंच बारिश, मीठाखली अंडरपास बंद

अहमदाबाद,24 अगस्त

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बीच अहमदाबाद में लगातार तीसरे दिन बारिश हुई. पिछले कुछ दिनों से पड़ रही असहनीय गर्मी के बाद बारिश ने पैटर्न बदल दिया है, अहमदाबाद सहित राज्य भर में 24 घंटों में 153 तालुकाओं में बारिश हुई है। शुक्रवार को दो इंच से अधिक बारिश से मेम्को-नरोडा क्षेत्र जलमग्न हो गया। आज सुबह से ही अहमदाबाद के अधिकांश हिस्सों में बारिश का मौसम देखा गया है। शहर के निचले इलाकों में बाढ़ शुरू हो गई है. वहीं, मिताखाली अंडरपास को बंद कर दिया गया है. यहां बता दें कि मौसम विभाग की ओर से अगले दो दिनों तक अहमदाबाद जिले में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है.

शहर केकई इलाकों में सुबह से ही हल्की सेलेकरभारी बारिश हो रही है। आज सुबह 6 बजे से 10 बजे तक औसतन आधा इंच से दो इंच तक बारिश दर्ज की गई है. 4 घंटे में शहर के नरोदा इलाके में सबसे ज्यादा दो इंच बारिश हुई, जबकि कोतरपुर और मेमको और चांदखेड़ा में करीब डेढ़ इंच बारिश हुई. वहीं साइंस सिटी और गोता में एक-एक इंच बारिश हुई है। सरखेज, मकरबा, प्रहलाद नगर, वेजलपुर, जीवराज पार्क, गोता, श्यामल, साइंस सिटी, थलतेज, भोपाल, घुमा, शिलज, सैटेलाइट, चांदखेड़ा, रानीप, वाडज, घाटलोडिया, चंदलोडिया, चाणक्यपुरी, नरोदा, कुबेरनगर, हवाई अड्डा, कोटरपुर, मेमको सैजपुर समेत शहर के कई इलाकों में बारिश हुई है.

मौसमविभागकेपूर्वानुमान के मुताबिक,आज (24 अगस्त) मेघराज उत्तर, दक्षिण, पूर्व और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी बारिश करेगा। जिसमें दक्षिण गुजरातकेदाहोद,पंचमहल,आनंद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, तापी,सूरत,वलसाड, नवसारी, डांग जिलों के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।जबकिबनासकांठा, साबरकांठा, मेह साणा, अरावली, पाटन, गांधीनगर, महि सागर,खेड़ा,अहमदाबाद,सुरेंद्रनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

भारी बारिश के बाद 25 अगस्त को बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, महिसागर, दाहोद, खेड़ा, पंचमहल, आनंद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच और नर्मदा जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि पाटन, मेहसाणा, गांधीनगर, अहमदाबाद, सुरेंद्रनगर, बोटाद, भावनगर, राजकोट, अमरेली, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा कच्छ, मोरबी, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है.

पोर्ट लेड डेवलपमेंट एवं शिप रीसाइकलिंग उद्योगों के विकास से विकसित गुजरात बनाएंगे

- शिप रीसाइकलिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा मुख्यमंत्री का सम्मान समारोह आयोजित

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को भावनगर जिले में अलंग स्थित शिप रीसाइकलिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसआरआईए) द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत2047 के संकल्प में पोर्ट लेड डेवलपमेंट तथा शिप रीसाइकलिंग उद्योगों केविकास से विकसित गुजरात बनाने का राज्य सरकार का ध्येय है। भूपेन्द्रपटेल ने जोड़ा कि नरेन्द्र मोदी केमार्गदर्शन में गुजरात ने कारगो पोर्ट संचालन, सी फूड उत्पादन एवं शिप रीसाइकलिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया है। आने वाले समय में अलंग में ग्रीन शिप रीसाइकलिंग को प्रोत्साहन देकर कार्बन फुटप्रिंट में लगभग90प्रतिशत कमी लाने का राज्य सरकार का संकल्प है। वाइब्रेंट गुजरात समिट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2003मेंशुरूहुईवाइब्रेंटगुजरात समिटकेपरिणा मस्वरूप दुनिया भर की शीर्षस्थ इंडस्ट्रीज गुजरात में कार्य रत हैं। राज्य सरकार अलंग के शिप ब्रेकिंगयार्डकोभीविश्वस्तरीय सुविधाओं सेसुसज्ज बनाने के लिए यहाँ के उद्यमियों को आने वाली समस्याओं के निवारण तथा अलंग की प्रगति को गति देने को प्रतिबद्ध है। इतना ही नही; राज्य सरकार ने पोर्ट का क्षेत्र बढ़ाने के लिए भी गहन आयोजन किया है। मुख्यमंत्री ने गरीबों तथा वंचितों के विकास को सरकार का ध्येय बताते हुए आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नागरिकों के लिए भोजन, आवास व स्वास्थ्य की चिंता की है। इसके फलस्वरूप गुजरात विकास के रोलमॉडल व ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है। भूपेंद्र पटेल ने सभी नागरिकों की समस्याओं का उचित व त्वरित निवारण लाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने सेमीकंडक्टर उत्पादन में भारत के पदार्पण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए जोड़ा कि देश में सेमीकंडक्टर चिप के उत्पादन के लिए पूर्व में अनेक प्रधानमंत्रियों ने प्रयास किए, परंतु सफलता केवल नरेन्द्र मोदी को मिली। उनके दिशा-दर्शन में धोलेरा व साणंद में संयंत्र निर्माण कार्य चल रहा है, जो आगामी समय में प्रौद्योगिकी क्षेत्र में क्रांति का माध्यम बनेगा। इस अवसर पर केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन बांभणिया ने कहा कि शिप ब्रेकिंग व रीसाइकलिंग के लिए अनुकूल अलंग का समुद्री किनारा प्रकृति की अमूल्य भेंट है।

'मेरे अंतिम संस्कार में भी रहेगा कांग्रेस का झंडा...' वाव में गनीबेन ठाकोर का दावा

गांधीनगर 24 अगस्त,(प्रतिनिधि)

बनासकांठा सांसद गेनिबेन ठाकोर के अभिनंदन कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल, अमित चावड़ा समेत कांग्रेस विधायक मौजूद रहे. इस बीच कार्यक्रम से पहले एक बड़ी बाइक रैली निकाली गई. इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया. इस कार्यक्रम में गनीबेन ने वाव विधानसभा के मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा, 'मेरे अंतिम संस्कार में भी कांग्रेस का झंडा रहेगा.' इसके अलावा आगामी वाव विधानसभा उपचुनाव को देखते हुए जीत का आह्वान किया गया।

गनीबेन ने कहा, 'अगर कोई बहन या बेटी मेरे पैसे मांगने के लिए सत्ता में आती है तो मुझे इसकी कीमत पता है। मैं वाव मतदाताओं का भरोसा कभी नहीं तोड़ूंगा.' इसके साथ ही गनीबेन ने राजनीतिक प्रतिबद्धता और नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देने को लेकर भी बयान दिया.

तीन बिजली घरों में 800 मेगावॉट के सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर एक्सटेंशन को मिली मंजूरी

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 3 बिजली घरों में 800-800 मेगावॉट के सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर एक्सटेंशन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। गांधीनगर थर्मल पावर स्टेशन, सिक्का थर्मल पावर स्टेशन तथा उकाई थर्मल पावर स्टेशनों (टीपीएस); प्रत्येक में 800 मेगावॉट के ऐसे संयंत्र स्थापित होने से राज्य की वर्तमान कुल 53,368 मेगावॉट की स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में 2400 मेगावॉट की वृद्धि होगी। गुजरात में हाल में 24,962 मेगावॉट परंपरागत तथा 28,406 मेगावॉट अपरंपरागत ऊर्जा उत्पादन सहित कुल 53,368 मेगावॉट स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन प्रस्तावित कन्वेंशनल पावर प्रोजेक्टों की स्थापना द्वारा स्टेट ऑफ द आर्ट पावर जनरेशन फैसिलिटी एंड टेक्नोलॉजी का उपयोग करने का लक्ष्य रखा है। राज्य में वर्ष 2021-22 में प्रति व्यक्ति बिजली उपभोग 2,283 यूनिट था, जो वर्ष 2022-23 में बढ़ कर 2,402.49 यूनिट हो गया है। इस प्रकार; लगातार बढ़ते जा रही बिजली उपभोग की मांग से निपटने के उद्देश्य से ये लिग्नाइट एंड कोल आधारित सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन जरूरी बन गए हैं। इन प्लांट्स में ऊर्जा स्त्रोत के रूप में घरेलू कोयले का उपयोग किया जाएगा। हवा की गुणवत्ता पर प्रभाव कम करने के लिए एडवांस्ड इमिशन कंट्रोल सिस्टम तथा हाई एफिशिएंसी एयर पॉल्यूशन कंट्रोल इक्विपमेंट का उपयोग होगा। इतना ही नहीं; गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीएसईसीएल) कॉम्प्रिहेंसिव वेस्ट मैनेजमेंट स्ट्रैटेजिस को भी लागू करेगा। कोयला आधारित विद्युत संयंत्र राज्य में नॉन-सोलर अवर्स तथा अकाल के समय, कम हवा, गैस की कम उपलब्धता आदि आकस्मिक जरूरतों के समय उपयोगी सिद्ध होते हैं। ऊर्जा सुरक्षा के साथ उपभोक्ताओं को निर्बाध विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति करने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी के साथ-साथ कोयला आधारित पावर प्लांट भी आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इन सभी विषयों का सर्वग्राही अभ्यास कर तथा विचार करने के बाद 800-800 मेगावॉट के तीन सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर एक्सटेंशन को सैद्धांतिक अनुमति दी है। सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद गांधीनगर, सिक्का एवं उकाई;तीनोंपावरप्लांटकेइस अतिरिक्त 2400 मेगावॉट विद्युत उत्पादन के साथ राज्य की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 55,768 मेगावॉट हो जाएगी। इन प्रस्तावित प्रोजेक्टों द्वारा रोजगार के लगभग 3 हजार अवसर सृजित हो सकेंगे।

रोग प्रतिकारक टीकाकरण के मामले में कांग्रेस गुजरात की जनता को गुमराह कर रही है : स्वास्थ्य मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और सरकार के प्रवक्ताऋषिकेशपटेलनेरोग प्रतिकारक टीकाकरण के मामले में कांग्रेस पर तथ्यों से विपरीत और पुराने आंकड़े पेश कर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया हैं उन्होंने कहा कि गुजरात का स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं और सुविधाओं में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। गुजरात में भी बच्चों को दिए जाने वाले टीकाकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हाल ही में नीति आयोग द्वारा प्रकाशित वर्ष 2024 के एसडीजी लक्ष्यों में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के मामले में गुजरात देश में पहले स्थान पर आया है। साथ ही पूर्ण टीकाकरण में गुजरात राज्य का कवरेज 95.95ज्ञ है। जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है और पिछले वर्ष के एसडीजी 88ज्ञ से उल्लेखनीय वृद्धि है। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेष पटेल ने कहा कि गुजरात कांग्रेस ने एक प्रेस विज्ञप्ति प्रकाशित की जिसमें कहा गया कि उड़ीसा 90 प्रतिशत टीकाकरण के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य है और गुजरात 21 वीं रैंक के साथ अंतिम राज्य हैं उन्होंने कहा कि तथ्यों के विपरीत और पुराने आधार पर प्रकाशित किए गए सर्वे के आंकड़ों से गुजरात की जनता को गुमराह करने की घटिया कोशिश की गई हैं उन्होंने कहा कि दरअसल उनकी उपरोक्त सूची में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5, वर्ष 2019-21 के आंकड़ों का उल्लेख है या यह पुराना सर्वेक्षण डेटा हैं जिसमें गुजरात का पूर्ण टीकाकरण कवरेज काफी हद तक पूरे भारत के कवरेज के बराबर है और बड़े राज्यों की तुलना में 13वें स्थान पर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण डेटा सेट में बड़े राज्यों की तुलना की जाती है। इसके अलावा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6, वर्ष 2023-24 का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। राज्य सरकार के गहन प्रयासों के कारण राज्य में टीके से बचाव योग्य बीमारियों विशेषकर डिप्थीरिया, मातृ एवं नवजात टेटनस में बहुत महत्वपूर्ण कमी दर्ज की गई है। इसके अलावा, गहन मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं से मातृ एवं नवजात टिटनेस के मामलों का उन्मूलन और गर्भवती माताओं के टीकाकरण और संस्थागत प्रसव को 2009 में ष्ट द्वारा प्रमाणित किया गया था।

पश्चिम रेलवे द्वारा तीन ट्रेनों का कुछ स्टेशनों पर आगमन/प्रस्थान समय में आंशिक परिवर्तन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेनों की समय पालनता को और बेहतर बनाने के लिए तीन ट्रेनों के कुछ स्टेशनों पर आगमन/प्रस्थान के समय में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। इन ट्रेनों का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः-

1.30 अगस्त 2024 से ट्रेन नंबर 22958 वेरावल-गांधीनगर कैपिटल सोमनाथ एक्सप्रेस के वेरावल स्टेशन से चलने के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। कुछ स्टेशनों पर ट्रेन का आगमन/प्रस्थान समय क्रमशः विरमगाम जंक्शन 04.05/04.07 बजे की बजाय 04.18/04.20 बजे तथा चांदलोडिया बी केबिन पर 04.50/04.52 बजे की बजाय 05.03/05.05 बजे होगा। यह ट्रेन गाँधीनगर केपिटल स्टेशन का 5.40 बजे की बजाए 5.50 बजे पहुंचेगी

2. 30 अगस्त 2024 से ट्रेन नंबर 19016 पोरबंदर-दादर एक्सप्रेस के पोरबंदर से चलने के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। कुछ स्टेशनों पर ट्रेन का आगमन/प्रस्थान समय क्रमशः जामनगर 0.47/0.52 बजे की बजाय 0.54/0.59 बजे, हापा 01.10/01.12 बजे की बजाय 01.13/01.15 बजे, वांकानेर 03.57/03.59 बजे की बजाय 03.30/03.32 बजे थान जंक्शन 04.20/04.22 बजे की बजाय 03.55/03.57 बजे तथा सुरेन्द्रनगर जंक्शन स्टेशन पर 05.04/05.06 बजे की बजाय 04.39/04.41 बजे होगा। राजकोट स्टेशन पर इस ट्रेन के आगमन /प्रस्थान समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

3. 4 सितंबर 2024 से ट्रेन नंबर 19319 वेरावल-इंदौर महामना एक्सप्रेस का राजकोट स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय क्रमशः 02.10/02.15 बजे की बजाय 01.50/02:00 बजे होगा।

उपरोक्त स्टेशनों के अलावा अन्य किसी भी स्टेशन के आगमन / प्रस्थान समय मैं कोई परिवर्तन नहीं गया गया। इस ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट ै.हर्ल्लि.ग्र्ह्रिंग्तुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न निर्माण कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, 8वीं मंजिल, स्टेशन बिल्डिंग, चर्चगेट, मुंबई- 400 020 निविदा संख्या- उप को आमंत्रित करता है। सीई(सी)/सीसीजी/345 दिनांक: 16/08/2024 कार्य का नाम: गोरेगांव से बोरीवली के बीच हार्बर लाइन के विस्तार के संबंध में गोरेगांव से मलाड स्टेशनों के बीच एफओबीएस, एलिवेटेड डेक, स्काईवॉक और अन्य संरचनाओं का निर्माण, विस्तार और पुनर्निर्माण।स्टेशन (MUTP 3A)।एनआईटी लागत: रु.81,17,70,838.24/- बोली सुरक्षा: रु.42,08,900.00/- बोली प्रारंभ तिथि:28/08/2024।बोली जमा करना:- 11/09/2024, 15.00 बजे तक।निविदा दस्तावेज़ खोलना: 11/09/2024 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0469

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

वीडील सिस्टम लिमिटेड का आईपीओ 27 अगस्त को खुलेगा

अहमदाबाद, 24 अगस्त, 2024- इलेक्ट्रिकल कंट्रोल पैनल और ऑटोमेशन पैनल की निर्माता, वीडील सिस्टम लिमिटेडने 27 अगस्त 2024 को अपनी इनिशियल पब्लिक आफरिंग खोलने का प्रस्ताव किया है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत रु. 18.08 करोड़ एकत्र करने का है और कंपनी के शेयर्स एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे.

इश्यू से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी की जरूरत का वित्त पोषण करने, कुछ सुरक्षित और असुरक्षित लोन का प्रीपेमेंट और रीपेमेंट करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 29 अगस्त, 2024 को बंद होगा. इश्यू की लीड मैनेजर एफिनिटी ग्लोबल कैपिटल मार्केट प्राइवेट लिमिटेड है. इश्यू की रजिस्ट्रार कैमियो कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड है.

वीडील सिस्टम लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री धीरज कोचर और होलटाइम डायरेक्टर एवं चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर, श्रीमती तपस्विनी पांडा ने कहा, 'यह माइलस्टोन हमारी शुरुआत से इलेक्ट्रिकल कंट्रोल पैनल और ऑटोमेशन सॉल्यूशंस में हमारी प्रगति और उन्नति को दर्शाते हुए वीडील के लिए एक प्रमुख उपलब्धि को सिगनिफाई करता है. हमारी यात्रा स्मार्ट इलेक्ट्रिकल कंट्रोल पैनल्स ऑफर करते हुए कालिटी एवं इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता द्वारा चालित है. इन सॉल्यूशंस में एलओटी, एआई और एमएल के हमारे समन्वय से रियल टाइम डाटा एनालिसिस और ऑटोमेटेड प्रीवेंटिव एक्मांस सुनिश्चित होता है. वैश्विक इलेक्ट्रिकल खिलाड़ियों के साथ हमारी व्यूहात्मक भागीदारी और प्रोडक्ट डिजाइन एवं सिस्टम इंटीग्रेशन में हमारी मजबूत इन हाउस क्षमताओं से हमारी बाजार पोजीशन मजबूत हुई है यह आईपीओ हमें कालिटी, विश्वसनीयता और अनुपालन पर हमारे फोकस को बरकरार रखते हुए ऑपरेशंस का विस्तार करने, बाजार पहुंच बढ़ाने और भावी ग्रोथ सुअवसरों में निवेश करने में समर्थ बनाएगा. यह आईपीओ ना सिर्फ एक माइलस्टोन को प्रस्तुत करता है बल्कि समृद्ध और इनोवेटिव भविष्य की दिशा में प्रारंभिक प्रयास भी है.

एफिनिटी ग्लोबल कैपिटल मार्केट प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर एवं चेयरमैन, श्री संजय भालोठिया एवं डायरेक्टर, श्रीमति श्रुति भालोतिया ने कहा, 'वीडील का आगामी आईपीओ इलेक्ट्रिकल एवं ऑटोमेशन सॉल्यूशंस उद्योग में मामूली शुरुआतसे एक प्रमुख खिलाडी बनने की उसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है. वैश्विक खिलाड़ियों के साथ व्यूहात्मक भागीदारी और इनोवेशन पर उसके मजबूत फोकस द्वारा उसका ग्रोथ मजबूत हुआ है.

फर्जी दस्तावेजों से भाभीका घरहड़प लिया

अहमदाबाद,24 अगस्त

वेजलपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है कि शहर के जुहापुरा में रहने वाली एक लड़की की पारिवारिक संपत्ति उसके चचेरे भाई ने चोरी कर ली है। वेजलपुर पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। शहर के जुहापुरा में हाजीबावा पार्क सोसायटी में रहने वाले मरियमबानू बलूच की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया है कि उनके पिता अल्ताफ हुसैन बलूच की संपत्ति हाजीबावा पार्क सोसायटी में स्थित थी। अपने माता-पिता की मृत्यु पर, मरियमबानू और उनकी बहन इस संपत्ति के सीधे उत्तराधिकारी बन गए। कुछ महीने पहले, यह उनके ध्यान में आया कि संपत्ति का सौदा उनके चचेरे भाई मोहम्मद अमीन शेखने सैयद परवीन बानू और सैयद महेतुर (बाकी हाजीबावा पार्क सोसायटी, जुहापुरा) के हस्ताक्षर के तहत किया था।

इकोस (इंडिया)मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड का आईपीओ 28अगस्त, 2024 को खुलेगा

इकोस (इंडिया) मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड (ईसीओएस या कंपनी), बुधवार, 28 अगस्त, 2024 को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के संबंध में अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी।

18,000,000 इक्विटी शेयरों तक के ऑफर फॉर सेल में राजेश लूंबा द्वारा 9,900,000 इक्विटी शेयर और आदित्य लूंबा (ठप्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा 8,100,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं। (ठसेलिंग शेवरहोल्डरठ)।

यह इक्विटी शेयर कंपनी के 20 अगस्त, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जा रहे हैं, जो रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और हरियाणा, नई दिल्ली में दाखिल किया गया है (आरओसी)।

इस रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड इक्विटी शेवरों को बीएसई लिमिटेड (एनएसई बीएसई के साथ स्टॉक एक्सचेंज) स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव के प्रयोजनों के लिए, एनएसई नामित स्टॉक एक्सचेंज है सूचीबद्धता विवरण) इक्तिरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड प्रस्ताव के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं (बीआरएलएम)।

यह ऑफर प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19 (2) (बी) के अनुसार किया जा रहा है, जैसा कि संशोधित (एसबीआरआर), सेबी आईसीबीआर विनियमन के विनियमन 31 के साथ पड़ा गया है।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्रमांक.न 5/45/2024 दिनांक 19.08.2024

क्र.न	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
570	फ्लैप दरवाजे की व्यवस्था.	1344 नग	13-09-24
577	ट्रैक्शन मोटर.	148 नग	16-09-24
572	रोटरी इलेक्ट्रिक एयर कंप्रेसर (500 सीएफएम, 10 किग्रा/सेमी2) सभी सहायक उपकरणों और पुर्जों के साथ।	1 नग	17-09-24
573	ब्रेक शू कुंजी.	79117 नग	19-09-24
574	पूरी फिटिंग के साथ सीएमएस क्रॉसिंग 1 इन 16 60 किलोग्राम टी-5693।	14 सेट	20-09-24
575	बी.जी. के लिए रबर व्यवस्था पूर्ण लो.	240 नग	23-09-24
576	हिताची ट्रैक्शन मोटर के लिए 23 दांत पिनियन।	76 नग	09-09-24
577	'एच' टाइप टाइट लॉक कपलर के लिए वस्तुओं का सेट।	21 सेट	09-09-24
578	शैंक वियर प्लेट के साथ कपलर बॉडी।	76 नग	10-09-24
579	WAG-7 लोको के लिए साइड बियरर।	291 नग	11-09-24
580	ऑटो ड्रेन वाल्व के लिए किट।	432 सेट	12-09-24
581	बोगी बोल्स्टर के लिए रबिंग पैड।	5950 नग	13-09-24
582	पीओएच किट.	49 सेट	13-09-24
583	नल परिवर्तक के लिए कैंक शाफ्ट पूर्ण।	9 नग	16-09-24
584	बोल्स्टर लाइनर का आकार 153 मिमी.X 120 मिमी.X 8 मिमी।	41800 नग	16-09-24
	उलटी नीलामी		
45	6V मोनो ब्लॉक 120 AH के VRLA सेल।	1273 सेट	16-09-24

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और www.wr.Indianrailways.gov.in पर जाएं। 0467

हमें यहां लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें यहां फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

द्वारका के यात्रियों के लिए अहमदाबाद और ओखा के बीच चलेगी जन्माष्टमी स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जन्माष्टमी त्योहार के मद्देनजर अहमदाबाद और ओखा के बीच जन्माष्टमी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन विशेष कराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुस